



शिव आंतरण, आबू रोड।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान ने ऊर्जा के क्षेत्र में एक नया कदम आगे बढ़ाया है। संस्थान के सभी परिसरों से निकलने वाले गीले कचरे को रिसाइकिल कर बिजली और जैविक खाद का उत्पादन किया जा रहा है। इससे जहां हर माह छह हजार यूनिट बिजली मिल रही है, वहीं हर माह एक से डेढ़ लाख लीटर जैविक खाद का उत्पादन हो रहा है। इसका उपयोग सब्जी-फसल उत्पादन और बागवानी में किया जाता है। इस संयंत्र की स्थापना में जर्मनी के बीके क्लॉस पीटर भाई का विशेष योगदान रहा। वहीं सोलार प्लाट के इंजीनियर्स की टीम से इसे आकार दिया है।

आठ माह पूर्व रखी गई थी नींव

संस्थान के सोलार थर्मल पावर प्लाट परिसर स्थित क्लीन पार्क में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र (सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लाट) की स्थापना की गई है। जो यहां आने वाले लाखों लोगों के लिए कचरा प्रबंधन और निस्तारण का संदेश दे रहा है। आठ माह पूर्व ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र की नींव संस्थान की मुख्य प्रशासिका राज्योगिनी दादी रतनमोहिनी ने रखी थी। तब से लेकर इस संयंत्र में रोजाना संस्थान के अलग-अलग परिसरों से निकलने वाले गीले कचरे का कलेक्शन कर प्लाट में रिसाइकिल किया जाता है।

इन परिसरों से लाते हैं कचरा

ब्रह्माकुमारीज संस्थान के आबू रोड स्थित मुख्यालय शालिकन परिसर, आनंद सरोवर, ज्ञान सरोवर, तपोवन, मनमोहिनीवन, वहीं माउंट आबू स्थित पांडव भवन, ज्ञान सरोवर सहित छोटे-बड़े 12 परिसरों में से निकलने वाले कचरे को चार कचरा बाहों की मदद से प्लाट लाया जाता है। जहां सूखे और गीले कचरे को अलग-अलग स्टरेज किया जाता है। सूखे कचरे को अलग कर लिया जाता है।

ऐसे तैयार होता है लिकिंड खाद

गीले कचरे को मशीन से छोटे-छोटे क्रिस्टल में कटिंग की जाती है। फिर मिक्सर से जूस की तरह पीसकर तरल घोल तैयार किया जाता है। फिर इसे डाइजेस्टर टैंक में डाला जाता है। जिससे 250-350 क्यूबिक बायोगैस बनती है। बायोगैस को जनरेटर से बिजली में बदला जाता है। रोजाना तीन हजार से चार हजार लीटर लिकिंड खाद निकलती है। बाजार में यह लिकिंड खाद एक रुपए लीटर के हिसाब से मिलती है।

बड़े कुएं की तरह होता है डाइजेस्टर टैंक

गीले कचरे से तैयार किए गए पल्प को बड़े आकार के बने डाइजेस्टर टैंक में डाला जाता है। इसकी छत को जमीन के ऊपर बड़े गुब्बारे जैसे आकार में बनाया जाता है। वहीं नीचे की तरफ कुआं की तरह बड़ा टैंक होता है। इसमें पहले से तैयार गोबर का घोल रहता है। गोबर में ऐसे जीवाणु रहते हैं जो गीले कचरे के पल्प को खाते हैं तो इनके खाने से बायोगैस बनती है। फिर इस गैस को बायोगैस जनरेटर में सप्लाई किया जाता है जो बिजली का निर्माण करता है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र का कमाल

गीले कचरे से हर माह बन रहा डेढ़ लाख लीटर जैविक खाद

200

यूनिट बिजली का दोजाना उत्पादन

3-4

हजार लीटर तरल जैविक खाद का दोजाना उत्पादन

08

सेवाधारियों की टीम सेवा में जुटी

04

कचरा गाड़ियों से कार्हते हैं कलेक्शन



ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र के फायदे

1. कचरे से ग्राउंड: इस संयंत्र से जहां डंपिंग ग्राउंड में कचरे का अंबार नहीं लगता है, वहीं इसका सुधारणा हो जाता है। पर्यावरण संरक्षण और वायु प्रदूषण दूर करने में मदद मिलती है। कचरे से मुक्ति के साथ मुफ्त में जैविक खाद मिल जाती है।

2. बिजली उत्पादन: बिजली उत्पादन से ऊर्जा की जलरतों को पूरा करने में मदद मिलती है। इससे बिजली पर निर्भरता कम होती है।

3. टोनर का सुन्नन: इस संयंत्र में काम करने और कचरा कलेक्शन के लिए एक टीम की जलरत होती है, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिल जाता है।

4. जैविक खाद निर्माण: सबसे महत्वपूर्ण बात गीले कचरे से हर्में पेड़-पौधों, फल-सब्जियों और फसल उत्पादन के लिए मुफ्त में जैविक खाद मिल जाती है। इससे उत्पादन लागत कम हो जाती है। जमीन की उर्वरा शक्ति और उत्पादन बढ़ता है।

5. सतत विकास (सार्टेनेबल डबलप्रॉमेंट): सतत विकास वृद्धि और मानव विकास के लिए एक दृष्टिकोण है जिसका उद्देश्य भविष्य की पीढ़ियों की अपनी जलरतों को पूरा करने की क्षमता से समझौता किए बिना वर्षमान की जलरतों को पूरा करना है।



नेपाल के काठमाडौं में ब्रह्माकुमारीज का नगरकोट रिट्रीट सेंटर समाजसेवा के लिए समर्पित, हजारों लोग बने साक्षी

राष्ट्रपति ने किया ज्ञानसरोवर अकादमी रिट्रीट सेंटर का उद्घाटन



शिशु आमंत्रण, काठमाडौं, नेपाल।

ब्रह्माकुमारीज नेपाल काठमाडौं जौन द्वारा नवनिर्मित ज्ञानसरोवर अकादमी एवं रिट्रीट सेंटर का उद्घाटन नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के मुख्य अतिथि में भव्य समारोह के बीच संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह ब्रह्माकुमारी राजयोगिनी डॉ. राज दीदी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। राष्ट्रपति पौडेल ने कहा कि यह संस्था पिछले छह दशकों से नेपाल में और 87 वर्षों से विश्व भर में शांति, सद्ब्राव और भाईचारे को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है। ज्ञानसरोवर अकादमी और रिट्रीट सेंटर का निर्माण चरित्र और कर्मों के उत्थान के पात्र उद्देश्य से किया गया है, जो स्थानीय निवासियों और आगांतुकों सहित सभी देशवासियों में सदृश और संस्कार को प्रोत्साहित कर सुखी और शांतिपूर्ण समाज की स्थापना में सहायक होगा।

राष्ट्रपति ने वर्तमान तनावपूर्ण माहौल में समाज की प्रगति और शांति के लिए आध्यात्मिक चिंतन, मनन और विश्व बंधुत्व की भावना को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज संस्था की प्रशंसना करते हुए कहा कि यह अभियान समाज और राष्ट्र को सकारात्मक दिशा प्रदान कर रहा है।

नेपाल के उपप्रधानमंत्री और शहरी विकास मंत्री प्रकाशमान सिंह ने कहा कि उनका पूरा परिवार ब्रह्माकुमारीज संस्था के निस्तर्वार्थ सेवा और दिव्यता से गहराई से प्रभावित है। यह संगठन शांति, भाईचारे और एकता का संदेश देकर समृद्ध समाज निर्माण में अपनी भूमिका निभा रहा है। इसका परोपकारी कार्य सभी के लिए अनुकरणीय है।

मुख्य वक्ता माउंट आबू से पधारे संस्था के कार्यकारी सचिव राजयोगी डॉ. बीके मृत्युजय भाई ने कहा कि सभी समस्याओं की जड़ प्रकृति और परमात्मा से दूरी है।



समाधान केवल ईश्वर और प्रकृति की ओर लौटने में है। ज्ञानसरोवर न केवल ज्ञान की झील है, बल्कि यह योग, प्रेम और शांति की भी झील है। राष्ट्रपति ने परिसर के मुख्य द्वार पर रिबन काटकर और शिलालेख ज अनावरण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद, राष्ट्रपति, उप प्रधानमंत्री, राजयोगिनी डॉ. राज दीदी और राजयोगी डॉ. बीके मृत्युजय ने चारधार का उद्घाटन किया।

नेपाल की निदेशिका राजयोगिनी राज दीदी ने कहा कि शिवबाबा के दिव्य ज्ञान ने लाखों आत्माओं के जीवन को सकारात्मक रूप से बदल दिया है। उन्होंने इस आयोजन

को भव्य, सार्थक और सफल बनाने के लिए सभी गणमान्य अतिथियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों ने अपनी गायन और नृत्य प्रस्तुतियों से समारोह में रंग भर दिया। केक कटिंग और ईश्वरीय सौनागत वितरण ने इस आयोजन को और खास बना दिया। इस अवसर पर नेपाल सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधि, ब्रह्माकुमारीज के वरिष्ठ सदस्य, मीडिया कर्मी, शिक्षाविद, धार्मिक विचारक, और नेपाल-भारत के विभिन्न क्षेत्रों से आए गणमान्य अतिथियों ने हिस्सा लिया।

कृषि अधिकारियों के लिए मेडिटेशन रिट्रीट आयोजित

मानसिक स्थिरता के लिए मेडिटेशन जरूरी



शिशु आमंत्रण, हैदराबाद

ब्रह्माकुमारीज, ग्लोबल पीस ऑडिटोरियम, शांति सरोवर में शिक्षाविदों के लिए 'स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के लिए शिक्षा में मूल्य और आध्यात्मिकता' विषय पर कांफ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें हैदराबाद के आसपास के क्षेत्र के लगभग एक हजार से भी अधिक स्कूल, कॉलेज व यूनिवर्सिटी में विद्यार्थियों द्वारा हमें जब गुड मोर्निंग करके विश्व किया जाता है तब हमें उन सभी को स्नेह और सम्मान देते हुए रेस्पॉड करना है। भय अथवा प्रेम की मनस्थिति का प्रभाव हमारे विचारों, व्यवहार तथा व्यक्तित्व पर पड़ता है। इसीलिए हमें अपनी प्रतिक्रिया के माध्यम से विद्यार्थियों को सहज व सरल करना चाहिए ताकि वे सुमात्रावर्क हमारे संपर्क में आ सकें। किसी भी परिस्थिति में

मेडिटेशन के वैज्ञानिक अर्थ को स्पष्ट करते हुए सभी को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया।

अवन्नी श्रीनिवास जी (चेयरमेन, अवन्नी ईस्टिंट्यूशन, हैदराबाद) ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर उन्हें आध्यात्मिक जीवन-शैली द्वारा जीवन में आने वाले सकारात्मक प्रभाव तथा मेडिटेशन के वैज्ञानिक स्वरूप को जानने का अवसर मिला। इस सत्र का सफल संचालन ब्र.कु. लक्ष्मी ने किया। ब्र.कु. अंजलि बहन के द्वारा सभी का शब्दों के द्वारा स्वागत किया गया।

ब्र.कु. पांड्यामणि जी (निदेशक, मूल्य शिक्षा कार्यक्रम) ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा 87 वर्षों से भारत तथा विश्वभर में मूल्य और आध्यात्मिकता के क्षेत्र में की जा रही सेवाओं से अवगत कराया। कार्यक्रम में पधारे भाता श्री गद्म श्रीनिवास यादव जी (चेयरमेन, हैंडावी गुप्त ऑफ ईस्टिंट्यूशन, हैदराबाद) ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह कार्यक्रम बहुत सुदूर है और इस शान्ति की ऊर्जा से सम्पन्न परिसर में आकर मैं दिव्यता की अनुभूति कर रहा हूँ।



मेडिटेशन का अभ्यास कराया।

कृषि विश्वविद्यालय से सेवाकेंद्र ज्येतुर में कृषि अधिकारियों के लिए एक मोटिवेशनल एवं मेडिटेशन रिट्रीट कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान (आर ए आर आई) दुर्गापुर, ज्येतुर से उपनिदेशक एस.एस. राजावत की अध्यक्षता में सहायक सभी को अवगत कराया एवं विशेष *यौगिक खेती के बारे में बताया कि यह अनेक राज्यों में चल रहा है जिसके बहुत सुदूर परिणाम सामने आ रहे हैं साथ ही बताया कि शांतिवन के तपोवन में यौगिक खेती के निम्नरूप द्रेनिंग प्रोग्राम चलते हैं व सभी अतिथियों को माउंट आबू का निमंत्रण दिया। बसंत भाई ने मंच संचालन किया अधिकारियों बाबा के घर पथरने पर धन्यवाद किया व शुभकामनाएं दी। अंत में ब्रह्माकुमारी मीना बहन ने सभी को प्रसाद वितरित किया।





मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन सिंह यादव ने किया वैशिक शिखर सम्मेलन 2024 का प्रदेश स्तरीय शुभारंभ

परमात्मा में संपूर्ण निष्ठा हो तो सदा सहयोग मिलता है: सीएम



श्री आमृतंद्रण, भोपाल।

ब्रह्माकुमारीज के सुख शांति भवन मेडिटेशन रिट्रीट सेंटर नीलबड़ में वैशिक शिखर सम्मेलन 2024 आध्यात्मिकता द्वारा स्वस्थ एवं स्वच्छ समाज का प्रदेश स्तरीय शुभारंभ मुख्यमंत्री मोहन सिंह यादव द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि भारत विश्व का एकमात्र देश है जिसने समर्थ होते हुए भी अपने किसी भी पड़ोसी देश पर आक्रमण नहीं किया है। सदा ही वस्तुत्व कुरुक्षेत्र की भावना लिए सर्व को सहयोग दिया। यदि परमात्मा में संपूर्ण निष्ठा हो तो परमात्मा का सहयोग सदा ही मिलता रहता है। हम बुरे वक्त में भी परमात्मा की सुरक्षा

महसूस कर सकते हैं। परमात्मा अदृश्य रूप में सदा हम सब की मदद करते हैं तथा केवल विश्वास एवं संपूर्ण निश्चय के साथ ही हम निश्चित जीवन जी सकते हैं।

मुख्य वक्ता के रूप में दिल्ली से पधारी पुष्पा दीदी ने कहा कि आध्यात्मिक जीवन द्वारा ही आंतरिक शांति, शक्ति एवं अंतर्मन में निहित नैतिक मूल्यों को जीवन में अनुभव कर सकते हैं और एक आदर्श जीवन व्यतीत कर सकते हैं। ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा ब्रह्माकुमारी की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी जयंती दीदी ने कहा कि भारत का आध्यात्मिक ज्ञान एवं राजयोग की शिक्षा सारे विश्व को एक नई दिशा दिखाएगा। विश्व में एकता, आपसी सद्ब्राव एवं एक स्वस्थ एवं

स्वच्छ समाज के संकल्पना को साकार करेगा। आपने सबका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी एक पिता परमात्मा की संतान हैं और आपस में भाई-भाई हैं। इसी श्रेष्ठ भावना से यह विश्व पूरा स्वर्णिम बन सकता है। सुख शांति भवन की निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी नीता दीदी ने सभी का स्वागत एवं सम्मान किया।

इस मौके पर भोपाल महापौर मालती राय, विधायक रामेश्वर शर्मा, विधानसभा के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह ने आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने ब्रह्माकुमारी बहनों को प्रतीकात्मक ज्ञान कलश अपंग कर आध्यात्मिकता द्वारा स्वस्थ एवं स्वच्छ समाज अभियान का शुभारंभ किया। संचालन बीके रामकुमार ने किया।



रोजाना 300 से 400 लीटर तैयार किया जाता है हर्बल एनर्जी ड्रिंक

दादी रत्नमोहिनी ने किया हर्बल डिपार्टमेंट का शुभारंभ

श्री आमृतंद्रण, आबू रोड।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मुख्यालय शांतिवन में मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रत्नमोहिनी ने श्री आमृतंद्रणी हर्बल काढ़ा डिपार्टमेंट का शुभारंभ किया। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर और शिला पट्टिका का अनावरण कर हर्बल डिपार्टमेंट के नए भवन की नींव रखी और आशीर्वचन दिए।

इस मौके पर हर्बल डिपार्टमेंट के मार्गदर्शक वरिष्ठ राजयोगी सूरज भाई ने कहा कि आज दुनिया में जिस तेजी से बीमारियां बढ़ रही हैं ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए हमें फिर से प्रकृति की ओर लौटना पड़ेगा। हर्बल चाय, हर्बल काढ़ा और हर्बल जूस से अनेक तरह की बीमारियां ठीक होंगी। इसे पिने से शरीर में अनेक प्रकार के लाभ होते हैं। आज के समय में पेड़ पौधों की पत्तियां और फूल ही हैं जिनमें किसी तरह के रासायनिक केमिकल का उपयोग नहीं किया जाता है। तन को स्वस्थ रखने के लिए सभी हर्बल काढ़ा पीए और मन को स्वस्थ रखने के लिए काढ़ा पीए।

दादी की निज सचिव राजयोगिनी लीला दीदी ने कहा है बहुत खुशी की बात है कि अब शांतिवन में विधिवत हर्बल डिपार्टमेंट शुरू हुआ है। इससे सभी भाई बहनों को बहुत लाभ मिलेगा। आयुर्वेद तो हमारी प्राचीन पद्धति रही है अब फिर से उस तरफ लौटने और जानने का समय आ गया है। हम जितना प्राकृतिक चीजों का उपयोग करेंगे, जड़ी - बूटियों का उपयोग करेंगे उतना स्वस्थ रहेंगे।

बहुत छोटे स्तर पर रखी गई थी नींव

हर्बल डिपार्टमेंट की नींव रखने वाले बीके पानमल भाई ने कहा कि सर्वे भवतु सुखिनः, सर्वे संतु निरामया के पावन लक्ष्य के साथ हर्बल जूस और काढ़ा बनाने की नींव बहुत ही छोटे स्तर पर रखी गई थी। शुरू से मन में यही संकल्प था कि जो भी भाई बहिन परमात्मा के घर आएं तो सभी स्वस्थ और निरोगी रहें। जब लोग हर्बल काढ़ा पीकर अनेक तरह की बीमारियां से ठीक होते हैं तो मन को आधिक खुशी होती है। रोजाना 300 से 400 लीटर काढ़ा तैयार किया जाता है। अब तक पांच लाख से अधिक लोग इसका सेवन कर लाभ ले चुके हैं। इस मौके पर विशेष रूप से बीके शंकर भाई, बीके भगवान भाई, बीके आनंद भाई, बीके दीपक भाई, बीके बुज भाई, बीके महेश, बीके नोहर भाई सहित बड़ी संख्या में भाई-बहन मौजूद रहे।

पेड़ - पौधों की पत्तियों और फूलों से किया जाता है तैयार



10 से 15 तरह की पत्ती से होता है तैयार

आयुर्वेदाचार्य बीके राम शंकर भाई ने कहा कि रोजाना 10 से 15 तरह की पेड़ पौधों की पत्तियां और फूलों से हाइजेनिक तरीके से ये हर्बल पेय तैयार किया जाता है। इसे रातभर धीमी आंच पर पकाया जाता है। साथ ही इसमें जीरा, हल्दी, अदरक, दालचीनी, सौंफ, काली मिर्च, धनिया, गिलोय, पुदीना विशेष रूप से मिलाया जाता है। इसे रोजाना 100-150 एमएल सुबह शाम लिया जा सकता है।

घर पर ऐसे बना सकते हैं हर्बल जूस

एक व्यक्ति को काढ़ा बनाने के लिए तुलसी, अमरुद, जामुन, नीम, बेलपत्र, अनार, नींबू, कड़ी पत्ता मीठी नीम, आम, पीपल, इनमें से कोई सात तरह की पांच पांच पत्तियां और लेकर सौंफ, दालचीनी, काली मिर्च, अदरक, हल्दी मिक्सर में पीस ले। बड़ी पत्तियों वाले पेड़ की दो पत्ती ही ले। इसमें चुटकी भर काला या सेंधा नमक मिलाकर 200 एमएल हर्बल जूस सुबह खाली पेट लगातार 21 दिन पीने से हर तरह की बीमारी में लाभ होता है। इसके सेवन के एक घंटे बाद खा पी सकते हैं।

हर्बल काढ़ा बनाने और स्वास्थ्य संबंधी परामर्श के लिए संपर्क करें: बीके पानमल भाई, मो. 8619169901, आयुर्वेदाचार्य बीके राम शंकर भाई, मो. 6306498118





संपादकीय

अध्यात्म से ही विश्व को एक सूत्र में बांधा जा सकता है

कालचक्र के वर्तमान समय में विश्व में हो रही विनाशकारी घटनाओं से पूरे विश्व में डर और अशांति का माहौल देखने को मिल रहा है, जिससे विश्व की सभी आत्मायें शांति की तलाश में हैं। पर उन्हें क्षणिक शांति ही मिल पा रही है। अगर हमें वार्कइ में सच्ची शांति चाहिए तो हमें अध्यात्म की तरफ वापस लौटना होगा। अध्यात्म हमें हमारी आत्मा से जोड़ता है अर्थात् यह अंतर्जंगत की एक ऐसी यात्रा है जिसमें हम अपने मन और बुद्धि को अपनी आत्मा की तरफ मोड़कर परमपिता परमात्मा से जुड़ते हैं। शांति के साथ से असीम शांति की किरणें हमारी आत्मा में भरकर पूरे विश्व में शांति का प्रकल्पन फैलते हैं। अंत में एक समय ऐसा आएगा जब हमारी चेतना का सम्पूर्ण विकास होगा। हमारे सारे विकार और वासनाएं समाप्त हो जाएंगे। ब्रह्माकुमारीज के साकार संस्थापक प्रजपिता ब्रह्मा बाबा का जीवन मिसाल है। जिनके शांति के संकल्प और मार्ग आज पूरे विश्व में लाखों लोगों के लिए मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। इन लोगों ने अपने आचरण और व्यवहार से समाज में यह सांखित कर दिखाया है कि यदि इंसान को सही ज्ञान, मार्गदर्शन मिले तो बदलाव संभव है। साथ ही अध्यात्म का ज्ञान और मेडिटेशन के बल पर ही विश्व को एक सूत्र में बांधा जा सकता है। जरूरत है तो हमें अपनी विचारधारा को बढ़ाव दिया करने की। समय की यही मांग है कि अब बदलाव की जरूरत है। सारे विश्व की निगाहें भारत की ओर हैं क्योंकि भारत में पुरातन संस्कृत अध्यात्म और योग हमें वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना सिखाती है। सर्व भवतु सुखिनः की भावना और सौची वाली हमारी संस्कृति है।

बोध कथा/जीवन की सीख

संबंधों में अनासक्त भाव

गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की बंगाली में लिखी एक कविता है सहस्र। जो उनकी अंतिम कविता है। कहानी के मुताबिक एक पुरुष है और एक स्त्री है, दोनों का आपस में बहुत प्यार है। दोनों ही आपस में शादी करना चाहते हैं। स्त्री बहुत सुंदर-अमीर है। पुरुष गरीब है। युवक से स्त्री कहती है मैं तुमसे शादी करूँगी। वह कहता है हाँ हम दोनों शादी करेंगे। और वह कहती है कि शादी के बाद हम दोनों अलग-अलग रहेंगे। युवक कहता है अलग-अलग ये कैसी शादी है। तो फिर शादी ही क्यों कर रहे हो? वह कहती मेरी एक ही शर्त है शादी तो मैं तुमसे ही करूँगी। परंतु शादी के बाद तुम्हारे लिए मैं एक महल बनाऊँगी, महल उधर होगा और मैं इधर होउँगी।

बीच में झील। कभी मिल लिए तो मिल लिए, तुम उधर से आ रहे हो कभी मैं इधर से आ रही हूँ। तुम इधर से नौका विहार, मैं उधर से नौका विहार, हाय हेलो। वो कहता है ऐसी कैसी शादी है ये? वो कहती है शादी करनी है तो ऐसी ही करूँगी। हाँ तुम चाहते हो किसी और से शादी करना तो कर लो। परंतु तुम्हारी याद में संपूर्ण जीवन भर अविवाहित रहोगी और तुम्हारी याद में रहोगी। वो मुश्किल में पड़ जाता है। वो कहता है ये कैसी शादी है? वो कहती है हम दो व्यक्ति हमारा जो आपसी प्यार है। वहाँ अगर हम शादी करके एक जगह नजदीक आ गए तो जो प्रेम है शायद उस प्रेम में वो फ्रेशनेश नहीं रह सकता है। उस प्रेम में धृणा उत्पन्न हो सकती है। झङड़ा हो सकता है इसलिए कि यह प्रेम ऐसा ही कायम रहे। इसलिए तुम उधर हम इधर। हम भी जहाँ हैं भले साथ में हैं परंतु वह उधर और हम इधर। इसका आध्यात्म के साधकों के लिए यही भाव है कि नष्टोमोहा रहने के लिए परमात्मा रूपी झील ज़रूरी है। चाहे कोई कितना भी अच्छा हो परंतु इमोशनल डिटैचमेंट, मेंटल डिटैचमेंट, बौद्धिक डिटैचमेंट होगी तो वह संबंध लंबा समय तक चलेगा। अगर अटैचमेंट आ गई तो पहले तो भगवान वहाँ से चला जाएगा क्योंकि मोह विकार की श्रेणी है। प्रेम दिव्यमुण है। अपने संबंधों को अनासक्त प्रेमपूर्ण करते चलना है। प्रेम क्या है और मोह क्या है इसके अंतर को जानना है।

रीख: हमने जीवन को साधना के मार्ग पर, पवित्र मार्ग पर ले जाने या चलने का निर्णय लिया है तो पूरी सिद्धत, समर्पण भाव, एकाग्रता और परमात्मा प्यार में मग्न होकर पूरी लगन के साथ उस मार्ग पर चलना चाहिए तभी मंजिल मिलती है। रास्ते में आने वाली बाधाएं तो हमारी परीक्षा के लिए आती हैं कि हम किनें योग्य हैं।

दूसरों को खुशी देना
सर्वोत्तम दान देना है।



मेरी कलम से

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

दिसंबर 2024

04

यह एक संस्थान ही नहीं, बल्कि कलियुग से सत्यगु की स्थापना का महान कार्य है

ब्रह्माकुमारीज नैतिक मूल्यों से लोगों को पथ प्रदर्शित कर रही है



भारतीय जीवन दर्शन का सार है वसुधैव कुटुम्बकम्। आज पूरा विश्व विभिन्न युद्धों से धिरा हुआ है और लोग वास्तव में वृत्तीय विश्व युद्ध होने की आशंका भी व्यक्त कर रहे हैं। ऐसे समय में हमारी संस्कृति और सनातन परंपरा में कहा गया है अयं निः: परोवेति गणना लघुचेतसाम् उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम् का संदेश विश्व की शांति की लिए है। केवल एक शांति का उपदेश नहीं है बल्कि वर्तमान समय और परिवेश में एक अनिवार्यता है। जिसे आज हम समझ जाएं तो बहुत अच्छा है। यदि नहीं समझे तो कल अवश्य समझना पड़ेगा। भाईचारे का संदेश आज भी उतना ही प्रासादिक है जितना की पहले था। आज हम भागदौड़ की जिंदगी में सच्ची खुशी और आंतरिक शांति को भूल गए हैं। जैसे नई टेक्नोलॉजी हमें भौतिक सुख प्रदान करती है, वैसे ही आध्यात्मिकता हमें आंतरिक सुख प्रदान करती है। साथ ही शरीर, मन और आत्मा में संतुलन बनाने का काम करती है। वर्तमान में ब्रह्माकुमारीज संस्था नैतिक मूल्यों से लोगों को पथ प्रदर्शित कर रही है। पूरे विश्व के अंदर करोड़ों लोगों के जीवन में बदलाव

लाने का कार्य संस्थान द्वारा किया जा रहा है। आध्यात्मिक चिंतन से हमारे जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं। इस बदलाव को मैंने अपने जीवन में स्वयं भी महसूस किया है। आध्यात्मिकता केवल जीवन की आवश्यकता नहीं है, बल्कि जीवन की अनिवार्यता है। ब्रह्माकुमारीज एक संस्थान ही नहीं है बल्कि यह कलियुग से सत्यगु की स्थापना का एक महान कार्य है। भारत की भूमि से उपजा यह संस्थान विश्व के कोने-कोने में शांति और मानवता का संदेश देने का कार्य कर रहा है। अध्यात्म और मानवता के लिए कार्य कर रहा है। मैं आज यहाँ स्वच्छ और स्वस्थ समाज के निर्माण में आध्यात्मिकता की महत्वपूर्ण भूमिका को समझने के लिए आया हूँ। मैं आप सभी लोगों के बीच जिज्ञासु बनकर आया हूँ। यहाँ आने के बाद अपने भीतर परिवेश प्रकार की आंतरिक शांति की अनुभूति हो रही है। करीब 15 साल से ब्रह्माकुमारीज के कार्यक्रमों में जाता रहा हूँ। मुख्य प्रशासिका राजयागिनी दादी रत्न मोहिनी से मुलाकात हुई, उनका आशीर्वाद मिला। खुद को बहुत धन्य महसूस कर रहा हूँ।

वैचारिक उच्चता में श्रेष्ठतम स्वरूप द्वारा रूपांतरित देवात्मा



जीवन का मनोविज्ञान

भाग - 77

- डॉ. अजय शुक्ला, विहेवियर साइंटिस्ट

गोल्ड मेडलिस्ट इंटरनेशनल, हयूमन राइट्स मिलेनियम अवार्ड डायरेक्टर (स्पीचुअल रिसर्च स्टडी एंड एजुकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, बंजारी, देवास, मप्र)



जब उच्चतम स्थितियों में स्थापित होकर श्रेष्ठतम स्वरूप को धारण कर लेता है तब जीवात्मा धन्यता से अभिभूत हो जाती है क्योंकि आत्मिक परिवेश दिव्य गुणों एवं शक्तियों से जीवन के व्यावहारिक क्रियान्वयन के अंतर्गत स्वरूप में प्रस्फुटित होना सहजता से संपन्नता के परिवेश में गतिशील हो जाता है। आत्म चेतना सदा ही स्वयं के नैसर्गिक स्वभाव में स्थित रहती है जिसे धर्मगत व्यावहारिकता के द्वारा पुरुषार्थ की वैचारिक उच्चता के सामर्थ्य से देवात्मा की सम्पन्नता के रूप में रूपांतरित किया जाता है जिससे लोक कल्याणकारी अवस्था का पवित्र क्रियान्वयन अनुकूल रूप से प्रस्फुटित हो जाता है। मानव जीवन की पवित्रतम भावनात्मक पृष्ठभूमि के सानिध्य में वैचारिक समृद्धि के प्रति अनुकूल में श्रेष्ठ, शुभ एवं पवित्र विचार के प्रति अत्यधिक संवेदनशील भावनात्मक दृष्टिकोण ही व्यक्ति को आंतरिक रूप से अभिप्रेरित करता है जिससे जीवन के प्रांगण में कर्मक्षेत्र के अंतर्गत स्वरूप स्वयं में अनुकूलण एवं अनुभवण के अंतर्गत स्वरूप स्वयं को धारण करने लगता है। मानव जीवन की पवित्रतम भावनात्मक पृष्ठभूमि के सानिध्य में वैचारिक समृद्धि के प्रति अनुकूल में श्रेष्ठ, शुभ एवं पवित्र विचार के प्रति अत्यधिक संवेदनशील भावनात्मक दृष्टिकोण ही व्यक्ति को आंतरिक रूप से अभिप्रेरित करता है जिससे जीवन के प्रांगण में कर्मक्षेत्र के अंतर्गत स्वरूप स्वयं से अभिवृद्धि को प्राप्त हो जाती है तथा अनुकूलण के सुनिश्चितता निर्धारित हो जाती है तथा सुखद परिवर्णन के अंतर्गत स्वरूप स्वयं में ग्रहण करने लगता है। आत्मिक शक्ति के त्रिविध स्वरूप अर्थात् मन, वचन एवं कर्म के मध्य श्रेष्ठ, श्रेष्ठता और श्रेष्ठतम का सह - सम्बन्ध ही उच्चतम व्यक्तित्व के निर्माण का द्योतक होता है जिसमें कर्मगत पवित्रता को व्यावहारिक आचरण के आधारभूत जीवन मूल्य के रूप में समादर भाव से स्वीकार कर किया जाता है और यही दिव्यता युक्त व्यवहार लोक मंगल के रूपांतरण हेतु प्रेरणात्मक स्वरूप में सर्व मानव आत्माओं द्वारा सहजता से स्वीकार कर लिया जाता है।

व्यावहारिक आचरण के आधारभूत जीवन मूल्य

स्थिति में जीवात्मा को स्वयं के वास्तविक स्वरूप अर्थात् आत्मानुभूति होते ही संपूर्ण पुरुषार्थ द्वारा पवित्र क्रियान्वयन के श्रेष्ठतम परिवर्णन को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से चेतना द्वारा सहज ही मंगलकारी समृद्धि के परम सौभाग्यशाली स्वरूप में ग्रहण कर लिया जाता है और जीवन के व्युत्पादन को पुरुषार्थ में अनुकूलण एवं श्रेष्ठता परिवर्तन की क्षमता प्रदान करता है। पुरुषार्थ के अनुकूलम में श्रेष्ठ, शुभ एवं पवित्र विचार के प्रति अत्यधिक संवेदनशील भावनात्मक दृष्टिकोण ही व्यक्ति को आंतरिक रूप से अभ



खुशियों का पासवर्ड आपके हाथ...



शिशु आमंत्रण, हाथरस, उप

ब्रह्माकुमारीज के अननंदपुरी कालोनी सेवाकेंद्र द्वारा शहरवासियों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अंतरराष्ट्रीय प्रेरक वक्ता बीके शिवानी दीदी ने खुशियों का पासवर्ड आपके हाथ विषय पर संबोधित करते हुए सफलता, मैनेजमेंट, सेल्फ मैनेजमेंट,

लाइफ मैनेजमेंट के सूत्र बताए। साथ ही सभी को रुटीन में मोडिटेशन करने की सलाह दी। कार्यक्रम बीके शान्ता दीदी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस मौके पर विधायक अंजुला माहौर, नपा अध्यक्ष श्वेता चौधरी, पर्व सांसद राजेश दिवाकर, बीके प्रेमलता दीदी, बीके सीता दीदी, बीके हेमलता दीदी, गुप्त कैप्टन डॉ. जयवीर सिंह, डॉ. भरत यादव,

प्रेम सिंह यादव, एड अधिष्ठात्री पवित्रा शर्मा, एसपी अशोक कुमार, सीओ सिटी योगेन्द्र नारायण कृष्ण, सीओ फायर राजकुमार वाजपेई, उपजिलाधिकारी नीरज शर्मा सहित हजारों की संभवा में लोग मौजूद रहे। संचालन अलवर की बीके अनुभा बहिन ने किया। बीके कोमल बहिन, बीके दुर्गा बहिन, बीके श्वेता बहिन, बीके बन्दना व अन्य बहनें मौजूद रहीं।

सृष्टि रूपी नाटक एक्यूरेट, फिल्म, न्यायकारी और कल्याणकारी है



मिलाई, छत्तीसगढ़। शिव अर्थात् सदा कल्याणकारी इस शब्द से ब्रह्मांड की सारी पॉजिटिविटी को अपने जीवन में धारण करें। उक्त उद्धार माउंट आबू से आए सीए ब्रह्माकुमार ललित भाई ने व्यक्त किए। उहाँने कहा कि सृष्टि रूपी बेद (ड्रामा) नाटक एक्यूरेट फिल्म, न्यायकारी और कल्याणकारी है। इस सृष्टि से जीवन में सदा मुस्कुराते रहेंगे। जीवन में सदा खुश और चेहरे पर मुस्कराहट के लिए आपने कहा कि यह सृष्टि रूपी नाटक एक्यूरेट, फिल्म, न्यायकारी और कल्याणकारी है। सेवाकेंद्रों की निदेशिका बीके आशा दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

सकारात्मक चिंतन के साथ खेती करें

शिशु आमंत्रण, संबलपुर, उड़ीसा

ब्रह्माकुमारीज सम्बलपुर सबजोन द्वारा पावन सरोवर में भारत कृषि दर्शन एवं सम्पूर्ण ग्राम विकास के संदर्भ में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में माउंट आबू से पथरों कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग के उपाध्यक्ष राजयोगी बीके राजू भाई ने कहा कि किसान 140 करोड़ लोगों को खाना खिलाता है इसलिए जय जवान-जय किसान का गायन है। उहाँने किसानों को सकारात्मक चिंतन और जैविक-यौगिक खेती को महत्व देकर, उन्हें अपनाने के लिए प्रेरणा दी।

सबजोन की निदेशिका बीके पार्वती दीदी ने कहा कि रासायनिक खाद और कीटनाशक



खाद्य पदार्थों को दूषित करता है और शरीर को नुकसान पहुंचाता है। इसके बदले जैविक खाद और शुद्ध वाइब्रेशन से कृषि उत्पादन को बढ़ा सकते हैं। ओडिशा कृषि विश्वविद्यालय, चिपलीमा के डीन कैलाश चंद्र सामल, जिला चिपलीमा की अध्यक्ष कुमुदिनी नायक, कुर्ची

के पूर्व विधायक बृदावन माझी सहित 500 से अधिक कृषक भाई-बहन उपस्थित रहे। बीके दीपा बहन ने गीत प्रस्तुत किया। बरगढ़ के कृषक बीके श्यामदान ने बताया कि वे 12 साल से जैविक और यौगिक कृषि कर रहे हैं। साथ ही आर्गेंटिक बाजार भी बनाया है।

भोपाल ज्ञान की निदेशिका राजयोगिनी बीके अवधेश दीदी का किया तुलादान, गरीबों को किया दान

ब्लेसिंग हाउस का द्वितीय वार्षिकोत्सव मनाया

शिशु आमंत्रण, भोपाल, मध्य

ब्रह्माकुमारीज ब्लेसिंग हाउस का द्वितीय वार्षिकोत्सव भोपाल ज्ञान की निदेशिका राजयोगिनी बीके अवधेश दीदी के मुख्य आतिथ्य में मनाया गया। बीके डॉ. रावेन्द्र ने ब्लेसिंग हाउस के वार्षिकोत्सव एवं अवधेश दीदी के सम्मान में स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। मंडीदीप प्रभारी मंजू दीदी, बेगमगंज प्रभारी पिंकी दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। राम भाई ने कविता प्रस्तुत की। सतीश भाई एवं गौतम भाई ने गीत प्रस्तुत किया। कुमारी आराधना व कुमारी श्री ने सुंदर डांस प्रस्तुत किया। ब्लेसिंग हाउस प्रभारी बीके डॉ. रीना दीदी ने सभी का आभार माना।



विधानसभा अध्यक्ष से सविता दीदी ने की मुलाकात



रायपुर, छत्तीसगढ़। विधानसभा के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमनसिंह से संचालिक बीके सविता दीदी ने मुलाकात कर शॉल, श्रीफल और पुष्पांचल भेंट किया। साथ ही नवा रायपुर में नवनिर्मित एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड-शान्ति शिखर भवन का अवलोकन करने के लिए आमंत्रित किया। बीके अदिति दीदी, बीके स्मृति दीदी, बीके महेश भाई उपस्थित थे।

नशामुक्त भारत अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ



गुमला (झारखण्ड)। ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र द्वारा जिला स्तरीय नशा मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। इस जिला स्तरीय शुभारंभ गुमला पर एसडीपीओ सुरेश प्रसाद, मेडिकल विंग के सचिव डॉक्टर बनारसी भाई, बीके शांति बहन, डॉ. नीलम सिन्हा, जिला उपभोक्ता फोरम अध्यक्ष ओम प्रकाश पांडे, प्रोफेसर अनुभव चक्रवर्ती, डॉ. हेमंत, डॉक्टर कृष्ण एवं प्राचार्य संदीप भाई ने किया। साथ ही उपस्थित लोगों को नशामुक्ति का संकल्प कराया।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष से की मुलाकात



करनाल, हरियाणा। करनाल सेवाकेंद्र सेक्टर-7 की संचालिक बीके प्रेम दीदी ने हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण से मुलाकात कर संस्था द्वारा की जा रही सेवाओं के बारे में बताया। इस मौके पर बीके शिविका बहन, कैप्टन आरके राना, धर्म सिंह भाटी मौजूद रहे।

मन को स्वच्छ, पवित्र व निर्मल बनाएँ : डॉ. मोहित गुप्ता



शिव आमंत्रण, बीकानेर (राजस्थान)। ब्रह्माकुमारीज के सार्टुलगंज सेवाकेंद्र पर सुखी जीवन का रहस्य विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें शहर के 400 से अधिक प्रबुद्धजनों, चिकित्सकों ने भागीदारी निभाई। मुख्य वक्ता जीबी पंत अस्पताल दिल्ली के सुप्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ प्रो. डॉ. मोहित गुप्ता ने सुखी जीवन जीने के अनेक सूत्र बताएं। उहाँने कहा कि घर की तरह मन को भी स्वच्छ करें। मन को स्वच्छ, पवित्र व निर्मल बनाने से संकल्प पवित्र होते हैं। हम ईश्वर के साथ आसानी से जुड़कर उनसे शक्तियां प्राप्त कर सकते हैं। स्वच्छ मन रखने से रिश्तों में मधुरता आती है, रिश्ते सुन्दर हो जाते हैं। रिश्ते सुन्दर बनाना आध्यात्मिकता की पराकाष्ठा है। अहम् का दूसरा नाम ही क्रोध है। कि ईश्वा, धृति, आलोचना, अपेक्षा, शिकायत, नकारात्मक विचार हमें हमेशा धेरे रहते हैं। इनको सकारात्मक सोच के साथ दूर करने का प्रयास करना चाहिए। संभाग प्रभारी बीके कमल बहन ने भी संबोधित किया।



हम जैसा सोचते हैं, वैसे ही बन जाते हैं

शिव आमृतंद्रष्टव्, नासिक, महाराष्ट्र

शांति का आधार हमारे शुद्ध संकल्प है, जैसा हम सोचते हैं, वैसा ही हम बन जाते हैं, ब्रह्माकुमारी संस्था यह भी सिखाती है कि यदि हमारे विचार बदल जाएंगे, तो पूरा विश्व ही बदल जाएगा, यदि हमारे कर्म श्रेष्ठ हो जाएंगे, तो हमारे संस्कार भी श्रेष्ठ हो जाएंगे, संस्कार श्रेष्ठ हो जाते हैं तो हमारे चारों ओर का संसार

श्रेष्ठ हो जाता है। यह उद्घार ब्रह्माकुमारी संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका ब्रह्माकुमारी संतोष दादीजी ने कस्बे वणी क्षेत्र में ब्रह्माकुमारी संस्था के नवनिर्मित शांतिकुंज सेवाकेंद्र के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किये। जिला सेवाकेंद्र प्रभारी बीके वासंती दीदी, उप सरपंच विलास कट, जिला वारकरी संप्रदाय के अध्यक्ष रायते महाराज, डॉ. अनिल पवार, बिल्डर आनंद सिसोदिया, मार्टिं आबू से

जापानियों को योग सीखना होता है तो भारवासियों से करते हैं संपर्कः बीके रजनी दीदी



दुर्ग, छग। ब्रह्माकुमारीज के आनंद सरोवर बघेरा में जापान और फिलिपींस की निर्देशिका बीके रजनी दीदी के पथारने पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें उन्होंने कहा कि जापान में भारत के प्राचीन योग का अत्यन्त ही महत्व है। उनकी एक खास विशेषता है उन्हें योग सीखना हो तो भारतवासी से सीखना चाहते हैं और अंग्रेजी सीखना हो तो अंग्रेजों से सीखना चाहते हैं। जापानी भाई-बहनों में इमानदारी, नम्रता और आदर का भाव बहुत ही देखने को मिलता है। संचालिका बीके रीटा बहन ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। संचालन बीके रुपाली बहन ने किया।

सकारात्मकता की शक्ति जीवन को बदल सकती है: डॉ. स्वामीनाथन

शिव आमृतंद्रष्टव्, कुण्डलेश्वर, हरियाणा

कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट की ओर से सिनेट हॉल में हैप्पी एटीट्यूट एंड कैरियर प्लानिंग विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें ब्रह्माकुमारीज की ओर से मुख्य वक्ता बीके डॉ. स्वामीनाथन ने सकारात्मकता की शक्ति कैसे जीवन को बदल सकती है इस बारे में गहराई से बताया। इस दौरान बीके मधु बहन, बीके अमित वर्मा ने राजयोग का अभ्यास करवाया। अध्यक्ष प्रो. निर्मला चौधरी ने आत्मा, मन और शरीर के लिए एक खुश दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया।



रूस में लोग माइनस तापमान में भी ध्यान करने आते हैं



शिव आमृतंद्रष्टव्, ग्वालियर, मप्रा ब्रह्माकुमारीज के बरेता रोड, मालनपुर स्थित गोल्डन वर्ल्ड रिट्रीट सेंटर में रसिया से पधारी राजयोगिनी बीके संतोष दीदी ने नशा मुक्ति अभियान हेतु बनाए गए रथ का उद्घाटन किया एवं हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ

नशा मुक्ति के लिए लोगों को प्रेरित करेगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि ब्रह्मा बाबा ने भारतीय संस्कृत और अध्यात्म का संदेश देने के लिए अविभाजित रूस में सेवा के लिए भेजा था। वहां जाकर रूस की संस्कृति और सभ्यता को समझा और भाषा का भेद होते हुए भी रूस के

लोगों ने भी भावना और भाव को प्रधानता दी और आध्यात्मिक ज्ञान के नियमित विद्यार्थी बने। रूस में माइनस तापमान होने के बावजूद भी वहां आध्यात्मिक ज्ञान समझने के लिए नियमित मेडिटेशन और आध्यात्मिक क्लास में लोग धीरे-धीरे आने लगे। रूस के लोगों ने हिंदी में गीत गाना भी सीखा और प्रतिवर्ष भारत में मुख्यालय मार्टिं आबू में स्वयं को आध्यात्मिक ऊर्जा से चार्ज करने के लिए आते हैं। इस मौके पर छतरपुर से बीके शैलजा दीदी, सीहोर से बीके पंचशीला दीदी, बीना से बीके सरोज दीदी, बीके रानी दीदी, बीके सुनीता दीदी, बीके विद्या दीदी, बीके रेखा दीदी, बीके सीता दीदी, बीके सरिता दीदी, बीके आदर्श दीदी, बीके महेश भाई, बीके दीपेंद्र भाई, बीके प्रह्लाद भाई व अन्य भाई-बहनें उपस्थित थे।



दिल्ली। पाण्डव भवन, करोल बाग में सनातन धर्म लीला समिति करोल बाग की ओर से, राजयोगिनी बीके पुष्पा दीदी को मोमेंटो भेट कर समिति अध्यक्ष अशोक कपूर, भाजा बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के संयोजक अक्षय कपूर, महामंत्री मालती वर्मा ने सम्मानित किया।



आबू रोड इंडिया की पहली और इकलौती मिसेज वर्ल्ड-2001 इंडियन एक्ट्रेस, मॉडल और फिजिशियन आदित्य गोविंदिकर ने शांतिवन में संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दीदी रतन मोहिनी से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान दीदीजी ने ईश्वरीय परमात्मा शिव का स्मृति चिह्न भेट कर सम्मान किया। साथ में बीके डॉ. दीपक हरके भी मौजूद रहे।



कादमा (हरियाणा)। आध्यात्मिकता मानवीय मूल्यों का पाठ पढ़ाती है। ब्रह्माकुमारीज अध्यात्म और मेडिटेशन द्वारा समाज के नवनिर्माण का कार्य कर रहा है। यह उद्घार कादमा शाखा में पहुंचे बाढ़ा के नव निर्वाचित विधायक उमेद पातुवास ने व्यक्त किया। उन्होंने ध्यान कक्ष में बैठ शांति की अनुभूति भी की। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके वसुधा बहन ने ईश्वरीय सौगत स्मृति चिह्न और पटका पहनाकर विधायक पातुवास का सम्मान किया।



राजनांदगांव, छग। लायंस क्लब गरबा उत्सव समिति द्वारा नवरात्रि पर बीके पुष्पा बहन को स्मृति चिह्न भेट कर सम्मानित किया गया। साथ ही बीके कुंती बहन, बीके चंद्रकली बहन एवं बीके चेताराम भाई को भी स्मृति चिह्न भेटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर गरबा उत्सव समिति के सदस्यगण, डॉक्टर पुष्पराज बाबना एवं राजा मार्खीजा आदि उपस्थित रहे।



बैतूल, मप्रा ब्रह्माकुमारीज भाग्य विधाता भवन में दीपावली स्नेह मिलन समारोह एवं प्रोग्रेसिव चैंपियनर्स एसोसिएशन के सदस्यों का समान समारोह आयोजित किया गया। इसमें सारणी सेवा केंद्र की बीके सुनीता दीदी ने कहा कि जब हम अपने जीवन में अच्छी सोच और अच्छे विचारों को महत्व देंगे तभी हम सच्ची दिवाली मना सकते हैं। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके मंजू दीदी कहा कि जीवन को खुशहाल बनाने और संतुलित रूप से चलाने के लिए परम शक्ति परमात्मा को साथी बनना अत्यन्त आवश्यक है। बीके मालती दीदी, बीके सविता बहन, प्रोग्रेसिव पैशेनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रामचरण साहू, बीके नंदकिशोर, बीके तरुण भी मौजूद रहे।



छतरपुर सेवाकेंद्र पर धूमधाम से मनाया गया दीपोत्सव, श्रीमहालक्ष्मी की सुंदर झांकी सजाई परम ज्योति से आत्म ज्योति जगाने का पर्व है दीवाली



शिव आमृतण, छतरपुर, मप्र

वास्तव में दीपक तो जलाना है लेकिन आत्म दीपक जगाना है। जैसे ही हमारे अंदर की काली अमावस्या की रात पूरी होती है, अज्ञानता का अंधकार खत्म हो जान का प्रकाश आता है तो ईश्वरीय ज्ञान हमें रिलाइज करता है कि सारे दैवी गुण, शक्तियां हमारे अंदर निजी संपत्ति और मूल संस्कारों के रूप में हमारे अंदर समाहित हैं। केवल हम सो रहे थे अर्थात् देह अभिमान में आ गए थे। अपने आत्म स्वरूप को भूल गए तो हमारे अंदर वो दैवी लक्षण

कमज़ोर हो गए। अब इस कमज़ोरी को समाप्त करने के लिए हमें आत्मदीप जगाना है और फिर सच्ची दीपावली मनाना है। परम ज्योति के ज्ञान प्रकाश से ही आत्म ज्योति जागृत होती और दिव्य गुणों से संपन्न श्री लक्ष्मी के लक्षण संपन्न स्वर्णिम दुर्निया आएगी, तब घर-घर खुशियों की दीपावली होगी। इस दीपावली अपने घर में नए सामान के साथ नए संस्कारों का सृजन करते हुए मनायें।

उक्त उद्धार ब्रह्माकुमारीजि किशोर सागर में आयोजित दीपावली समारोह में सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शैलजा दीदी ने व्यक्त किए। इस अवसर

पर श्रीगणेश श्री लक्ष्मी, श्रीसरस्वतीजी की चैतन्य झांकी लगाई गई। कु.अदिति, कु. गौरी द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया। पंडित शभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय शहडोल सहायक कुल सचिव अमन अग्रवाल, पन्ना ट्रेजरी ऑफिसर गैरव गुप्ता, सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकी चौबे, भारतीय जीवन बीमा निगम प्रशासनिक सहायक अर्पण अग्रवाल, डॉ. खुराना, पत्रकार सुरेन्द्र अग्रवाल, रिटा. होम कमांडेट करण सिंह, जेलर राम शिरोमणि पांडे मुनीलाल ठेकेदार, शंकर लाल सोनी सहित सभी ब्रह्माकुमारी बहनें मौजूद रहीं।

जीवन में शुभ संकल्पों के दीप जलाने का किया संकल्प



सोनीपत, हरियाणा। ब्रह्माकुमारी के सोनीपत रिट्रीट सेंटर में दीपावली कार्यक्रम धमधाम से मनाया गया। रिट्रीट सेंटर की निदेशिका बीके लक्ष्मी दीदी, चंडीगढ़ सेक्टर 15 एवं पंचकूला की सेवाओं की संचालिका बीके अनीता दीदी के सानिध्य में कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसमें गीत पाठशालाओं से आए भाई-बहनों ने भाग लिया। बच्चों ने नृत्य के माध्यम से आने वाली नई दुर्निया का दिव्य दर्शन कराया, जिससे सबका मन भाव विभोर हो गया। अंत में दीप प्रज्वलन किया गया, जिसमें में सभी ने अपने जीवन में शुभ संकल्पों के दीप जलाने का दृढ़ संकल्प किया।

नीमच के पावन धाम परिसर में दीपावली महोत्सव में सैकड़ों ब्रह्मा वत्सों ने लिया भाग सत्य गीता ज्ञान से ही होगी आत्म शुद्धि



शिव आमृतण, नीमच, मप्र

इस नश्वर संसार की दो चैतन्य शक्तियां आत्मा और परमात्मा का जब राजयोग ध्यान के माध्यम से मधुर मिलन होता है तो प्रत्येक मनुष्यात्मा की सुख शक्तियां जागृत हो जाती हैं और आत्मा रूपी दीपक रोशन होकर सुख, शांति, प्रेम व आनन्द की गहन अनुभूति करता है। उक्त उद्धार बीके सविता दीदी ने पावन धाम परिसर में आयोजित दीपावली महोत्सव में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि कि दीपावली

पर जन-जन अपने घर, दुकान और ऑफिस की साफ-सफाई तो करता है किन्तु अपने अन्तर्मन में व्याप्त अज्ञान अंधकार और विकारों रूपी गंदगी की स्वच्छता एवं पवित्रता पर ध्यान नहीं देता। आत्म शुद्धि के लिए सत्य गीता ज्ञान एवं राजयोग की शिक्षा का अभ्यास निरंतर अनिवार्य है जिससे सुख, शांति और संपन्नता रूपी लक्ष्मी सदैव प्रसन्न रहती है।

सबजोन के निदेशक बीके सुरेन्द्र भाई ने कहा कि दीपावली रोशनी का पर्व है, किन्तु केवल स्थूल दीपक प्रज्वलित करने

पर जन-जन अपने घर, दुकान और ऑफिस की साफ-सफाई तो करता है किन्तु अपने अन्तर्मन में व्याप्त अज्ञान अंधकार नहीं मिटता। महादीपराज परमात्मा शिव से आत्मा का संबंध स्थापित करने से अज्ञान रूपी अंधकार का नाश होता है और ज्ञान की ज्योति से सारा जीवन जगमग हो जाता है। इस मौके पर बी.के. श्रुति बहन, बीके लता बहन, बीके दिव्या बहन, बीके योगिता बहन, बीके मेघाना बहन, बीके विशाखा बहन, बीके कृति बहन, बीके प्रियंका बहन, बीके प्राची बहन, बीके अदिती चेलावत सहित सैकड़ों ब्रह्मा वत्स मौजूद रहे।

खंडवा भग्योदय भवन सेवाकेंद्र पर दीपोत्सव मनाया



खंडवा। ब्रह्माकुमारीजि के भाग्योदय भवन सेवाकेंद्र पर दीपोत्सव मनाया गया। इसमें बीके शक्ति दीदी ने दीपावली का आध्यात्मिक महत्व बताया। प्रथम बार दीपोत्सव पर खंडवा जिला सेवाकेंद्र से जुड़े हरसूद, औंकोरेश्वर, पंथाना, मूंदी, पुनासा, देशांव आदि सेवाकेंद्रों की 24 ब्रह्माकुमारी बहनें उपस्थित हुईं। मुख्य रूप से बीके संतोष दीदी, बीके श्यामा दीदी, बीके सुरेखा दीदी, बीके सुशीला दीदी, बीके पिंकी दीदी मौजूद रहीं।

श्रीमहालक्ष्मी और श्रीगणेश की सुंदर झांकी सजाई



गया (बिहार)। ब्रह्माकुमारीजि सिविल लाइंस विक्टर एक्स रे गली सेवाकेंद्र पर दीपावली कार्यक्रम मनाया गया। इस मौके पर संचालिका बीके शीला दीदी, व्यापारी प्रदीप जैन, जानदारी पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर धर्म साही ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान माता महालक्ष्मी और श्रीगणेश की सुंदर झांकी भी सजाई गईं। साथ ही सभी को दीपोत्सव का आध्यात्मिक महत्व बताते हुए मेडिटेशन कराया।

परमात्मा से कनेक्शन जोड़ जीवन को सफल बना सकते हैं



अंबिकापुर, छगा। सेवाकेंद्र संचालिका बीके विद्या दीदी के निर्देशन में सेवाकेंद्र पर दीपोत्सव कार्यक्रम मनाया गया। इसमें मेजर अनिल सिंह ने कहा कि हम सब इस पृथ्वी पर विशेष प्रयोजन से ही आए हुए हैं। हम सब पवित्र आत्मा परमात्मा से कनेक्शन जोड़ जीवन को सफल बना सकते हैं। दीपावली आत्मा रूपी दीपक को जगाने का त्यौहार है। डॉ. अरविंद भाई ने कहा कि यह पर्व उमंग - उत्साह का त्यौहार है।

मधुबन में गहन शान्ति-संतुष्टि का गहन अनुभव होता है



देहरादून, उत्तराखण्ड। सेवाकेंद्र पर पथरे महेंद्र भट्ट (राज्यसभा सांसद, उत्तराखण्ड तथा प्रदेश अध्यक्ष भाजपा) ने कहा कि मधुबन मुख्यालय एक ऐसा थाम है जहाँ जाकर मन की शान्ति का, संतुष्टि का गहन अनुभव होता है। रोटी, कपड़ा और मकान के वेल इसी से मनुष्य संतुष्ट हो जाता तो ब्रह्माकुमारीजि जैसे आध्यात्मिक संस्थानों को आत्म संतुष्टि के लिए इतने प्रयास ना करने पड़ते। ये सुख-सुविधाएं केवल तन के सुख के पर्याय हैं। मनुष्य को सुखी रहने के लिए तन के सुख के साथ बुद्धि का सुख और मन का सुख और आत्मा का सुख भी चाहिए जो ब्रह्माकुमारीजि द्वारा दी गई शिक्षा व आचरण से प्राप्त होता है। देहरादून सर्किल प्रभारी बीके मंजू बहन, हरिद्वार सेवाकेंद्र संचालिका बीके मीना बहन ने दीपावली का आध्यात्मिक रहस्य बताया।



बाहर की तरह अन्तर्मन की सफाई भी जरूरी हैं

शिव आमंत्रण, दायपुर (छत्तीसगढ़)

ब्रह्माकुमारीज के नवा रायपुर सेक्टर-20 स्थित एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड शान्ति शिखर में दीपावली मिलन कार्यक्रम हर्षोल्लास से मनाया गया। समारोह में रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी, किरण दीदी, रशिम दीदी और भावना दीदी सहित रायपुर की 36 ब्रह्माकुमारी बहनों ने दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया। रायपुर संचालिका बीके सविता दीदी ने कहा कि दीपावली त्यौहार में

हम सब जिस प्रकार घर की सफाई का ध्यान रखते हैं, उसी प्रकार अन्तर्मन की सफाई भी जरूरी है। बाहर के अन्धकार को तो मिठी के दीपक जलाकर दूर कर सकते हैं किन्तु अन्तर्मन में छाए हुए अन्धकार को दूर करने के लिए हमें सभी के लिए शुभसंकल्पों के दीप जलाने होंगे। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि आओ हम सभी सत्य परमात्मा से सत्य ज्ञान लेकर अपने जीवन को पावन बनाएं। अपनी आत्म ज्योति जाकर ईश्वरीय मिलन का वास्तविक सुख प्राप्त करें। ऐसे मनोपरिवर्तन से ही पृथ्वी पर स्वर्ग आएगा, जहां श्रीलक्ष्मी और श्रीनारायण का राज्य होगा। आत्मा ही सच्चा दीपक है। विकारों के वशीभूत हो जाने के कारण आत्मा की चमक आज मलीन हो गई है। लोगों का अन्तर्मन काम, क्रोध आदि विकारों के अधीन हो चुका है। ऐसे विकारी मनुष्यों के बीच श्री लक्ष्मी का शुभागमन भला कैसे हो सकता है? यह कैसी विडम्बना है कि अन्तर्मन की सफाई करने की जगह हम लोग घर की सफाई करके ही खुश हो जाते हैं।



शिव आमंत्रण, करनाल, हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज के सेक्टर-7 सेवाकेंद्र में दीपावली पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। पानीपत सर्कंल इंचार्ज राजयोगिनी सरला दीदी ने कहा कि हमें पवित्रता, मधुरता, धैर्यता, सहनशीलता आदि गुणों को धारण कर गुणवान बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि धन दौलत, परिवार सब यहीं रह जाएगा हमारे साथ जाएंगे हमारे कर्म और हमारा व्यवहार। आर्ट एंड कल्चर विंग की नेशनल कोर्डिनेटर व सेक्टर सात सेवाकेंद्र की संचालिका बीके प्रेम दीदी ने कहा कि घरों की सफाई के साथ-साथ हमें अपने मन बुद्धि की सफाई करना बहुत जरूरी है, नहीं तो व्यर्थ संकल्पों के जाले व डस्ट मन में ठेंशन पैदा करेंगे। इस दिन दीपक जगाना आत्म स्मृति व जागृति का प्रतीक है। राजयोगी भारत भूषण भाई ने भी संबोधित किया।

घुवारा : अन्नकूट महोत्सव पर श्रीकृष्ण और श्रीमहालक्ष्मी की चैतन्य झांकी सजाई



शिव आमंत्रण, घुवारा, छत्तीसगढ़ (मप्र)। घुवारा सेवाकेंद्र द्वारा अन्नकूट महोत्सव के उपलक्ष्य में गोवर्धन पर्वत को अंगुली पर उठाए हुए श्री कृष्ण और श्री महालक्ष्मी की चैतन्य झांकी सजाई गई। इसमें छत्तीसगढ़ से पथारी बीके रमा दीदी ने कहा कि यह पर्व हमें पर्वतों को बचाने और गौ संरक्षण का संदेश देता है। बीके कल्पना दीदी ने कहा कि बैर, घृणा, की जाले साफ करके प्रेम और शुभकामना के दीए जलाएं। साथ ही सभी को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया।

दयानंद वैदिक विद्यालय ग्राउंड मुलुंड में आयोजन

पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुति से मोहा सभी का मन

शिव आमंत्रण, मुलुंड, मुंबई

ब्रह्माकुमारीज के मुलुंड सबजोन द्वारा दीपावली समारोह दयानंद वैदिक विद्यालय ग्राउंड मुलुंड में धूमधाम से मनाया गया। इसमें डॉ. मोनिशा रावत ने बिना दावाइयों के बीमारी से मुक्ति पर व्याख्यान दिया। सबजोन की निदेशका राजयोगिनी बीके गोदावरी दीदी ने साहस, उत्साह और आनंदित ऊर्जा के महत्व पर प्रकाश डाला। ध्यान सत्र ने आंतरिक शांति प्रदान की।

सामुदायिक भोजन ने एकता और स्नेह को बढ़ावा दिया। उपस्थित लोगों ने मिलकर दीप प्रज्वलित किया। केक कटिंग किया और सभी के लिए मिठास बांटी गई। शुरुआत में मुरली



वाचन और भोग अर्पण से हुई। पारंपरिक नृत्य और संगीत प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। समारोह का उद्देश्य आध्यात्मिक चिंतन

और एकता को बढ़ावा देना था। उपस्थित लोगों ने प्रेमपूर्वक तैयार किए गए शाकाहारी व्यंजनों का आनंद लिया।



रांची, झारखण्ड। ब्रह्माकुमारीज चौथी दीपावली कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। इसमें सेवाकेंद्र संचालिका बीके निर्मला दीदी ने दीपावली का आध्यात्मिक महत्व बताया। इस मौके पर हार्टफुलनेस संस्था की क्षेत्रीय समन्वयक सुनन्दा चौहान, डॉ. प्रियंका, समाजसेवी चन्द्राणी मुखर्जी, डॉ. रीना सेनगुप्ता, राय यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. पीयूष रंजन, आर्ट ऑफ लिविंग के सुनील गुप्ता, समाजसेवी अनूप चौहान आदि मौजूद रहे।



ग्वालियर, मध्य प्रदेश स्थित ब्रह्माकुमारीज गोल्डन वर्ल्ड रिट्रीट सेंटर में भाईदुज कार्यक्रम मनाया गया। इसमें भोपाल जोन की निदेशिका राजयोगिनी बीके अवधेश दीदी ने कहा कि भाईदुज पर्व वास्तव में स्वयं के स्वमान में टिकने का प्रतीक है। हर बहन भाई के लिए प्रार्थना करती है कि मेरा भाई रह क्षेत्र में सफलता प्राप्त करें और भाई बहन को सुरक्षा का वचन देता है। वास्तव में हर पल की सुरक्षा तो परमात्मा ही कर सकता है। हमें अपनी आत्मिक स्मृति में टिक कर परमात्मा का सदा ध्यान रखना है। मालनपुर की संचालिका बीके ज्योति बहन ने प्रतिज्ञा कराई। पोरसा से बीके रेखा दीदी भी मौजूद रही।



बीदर (कर्नाटक)। ब्रह्माकुमारीज के शिव शक्ति भवन बिदर रामपुरे कॉलोनी सेवाकेंद्र पर हर्षोल्लास से दीपावली मिलन समारोह मनाया गया। इसमें भोपाल जोन की व्याख्याती दीपावली ने अपने अनुभव सांझा किए। बीके सुमंगला दीदी ने दीपावली का आध्यात्मिक महत्व बताया। इस मौके पर विधायक शैलेन्द्र बेलडाले, कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के चेयरमैन बीजी षट्कार, वरिष्ठ पत्रकार शिवशरणप्पा वाली, डीसीसी बैंक के पूर्व महाप्रबंधक डीएस कुद्रे, नवीन पब्लिक स्कूल के संचालक कामशेटी विकास, डॉ. ललितमा, डॉ. उमा देशमुख मुख्य रूप से मौजूद रहे। बीके सुनंदा दीदी ने स्वागत किया।



शिव आमंत्रण, बैतूल, मध्य प्रदेश ब्रह्माकुमारीज के भाय विधाता भवन में धूमधाम से पांच दिवसीय दीपावली महोत्सव मनाया गया। इसमें सभी को तिलक लगा कर, पट्टा पहनाकर और ताज पहनाकर स्वागत किया गया। वहीं कलाकारों ने सच्ची दीपावली का अर्थ बताते हुए नाटक का मंचन किया। महोत्सव में सेवाकेंद्र संचालिका बीके मंजू दीदी ने कहा कि जब हम अपने अंदर लक्ष्मी जैसे लक्षणों को धारण करेंगे, तभी हम सच्ची दीपावली मना सकते हैं। अपने जीवन को खुशहाल बना सकते हैं। सारणी सेवा केंद्र संचालिका बीके सुनीता दीदी, बीके मालती दीदी, बीके हेमलता बहन, बीके लक्ष्मी बहन, बीके पूर्णिमा बहन, बीके अरुणा बहन, बीके नंदकिशोर भाई, बीके तरुण भाई सहित सैकड़ों भाई-बहन मौजूद रहे।



पानीपतः कैबिनेट मंत्री ने किया नमस्ते प्रोजेक्ट लांच

अब नमस्ते कहकर अभिवादन करुंगा : मंत्री

शिव आमंत्रण, पानीपत, हरियाणा।

ज्ञान मान सरोवर रिट्रीट सेंटर में राजयोग एजक्योशन एवं रिसर्च फाउंडेशन के तहत संचालित शिपिंग एविएशन एंड ट्रूरिज्म विंग के नमस्ते प्रोजेक्ट की लॉन्चिंग कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पॉवर ने की।

मंत्री पॉवर ने कहा कि हमारा तो सारे दिन पक्षिक से मिलना होता है और उसमें हम कई बार नमस्ते करते हैं लेकिन कभी-कभी मिस भी हो जाता है। नमस्ते प्रोजेक्ट भारतीय संस्कृति को बढ़ाने का बहुत अच्छा साधन है। अब से मैं दिन में अनेक बार नमस्ते करके अभिवादन करने का प्रयास करूंगा। इसके अलावा प्रोजेक्ट के तहत दो दिवसीय ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। इसमें भारत भर से भाईं बहनों ने भाग लिया है। शिपिंग एविएशन एंड ट्रूरिज्म विंग द्वारा पंजाब जौन में पर्यटन केंद्र की ईश्वरीय सेवाओं को बढ़ावा देने के



लिए इस ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। विंग की नेशनल कोऑर्डिनेटर ब्रह्माकुमारी कमलेश दीदी ने कहा कि पंजाब जौन में पर्यटन क्षेत्र का बहुत ही अच्छा स्कोप है। यहां पर ऐतिहासिक महत्व वाले अनेक शहर, धार्मिक तीर्थ स्थल तथा प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर सैकड़ों हिल

स्टेशन हैं, जहां पर हम बहुत अच्छी सेवाएं दे सकते हैं। मेरीटाइम कंसल्टेंसी सिंगापुर के डायरेक्टर मनु भाई, राजयोगिनी सरला दीदी, बीके भारत भूषण भाई, भरतपुर की बीके परवीना बहन, अम्बाला की बीके शैली बहन ने अपने विचार व्यक्त किए।

ज्ञान मानसरोवर बनेगा ज्ञान का प्रकाश स्तंभ



पुणे, महाराष्ट्र। न्यू कल्याणी नगर पुणे में ज्ञान मानसरोवर नए भवन का उद्घाटन संयुक्त प्रशासिका राजयोगिनी बीके संतोष दीदी और शांतिवन से पधारे सीए बीके ललित भाई ने रिबन काटकर किया। इस मौके पर माजी आमदार बापू साहब पटरी, भानु बहन, सामाजिक कार्यकर्ता ज्ञानेश्वर गलांडे पाटील, अहमदाबाद से पथरां बीके पारू दीदी विशेष रूप से मौजूद रहीं। सेवाकेंद्र संचालिका बीके प्रेमा दीदी ने बताया कि नवनिर्मित ज्ञान मान सरोवर भवन समाज के नाम समर्पित कर दिया गया है। अब यहां से सामाजिक उथान, सामाजिक कल्याण के कार्यक्रम चलाए जाएंगे। साथ ही सुबह-शाम लोगों को स्ट्रैस मैनेजमेंट, सेल्फ मैनेजमेंट, टाइम मैनेजमेंट, लाइफ मैनेजमेंट, राजयोग मेडिटेशन आदि कोर्स निःशुल्क कराए जाएंगे। इसके अलावा नशामुक्त भारत अभियान, आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत सामाजिक सेवाएं की जाएंगी। यह भवन लोगों के जीवन में ज्ञान का प्रकाश स्तंभ बनकर उभरेगा।



रायपुरा राजभवन में छग के राज्यपाल रमन डेका से मुलाकात कर जापान से पथरां बीके रजनी दीदी ने भाईंदूज का तिलक लगाकर शुभकामनाएं दी।



पन्ना, मप्रा जिला जेल में भाईंदूज के उपलक्ष्य में जेलर आरपी मिश्रा को सौगात देती हुई जिला प्रभारी बीके सीता बहन।



इम्फाल, मणिपुर। ब्रह्माकुमारीज के प्रतिनिधिमंडल ने संचालिका बीके नीलिमा दीदी के नेतृत्व में राजभवन में राज्यपाल लक्षण प्रसाद आचार्य से मुलाकात की। इस दौरान दीदी ने संस्थान द्वारा की जा रही सेवाओं के बारे में राज्यपाल को अवगत कराया। साथ ही ज्ञान चर्चा के साथ मेडिटेशन के बारे में बताया। ब्रह्माकुमारीज परिवार की ओर से राज्यपाल को दीपावली की शुभकामनाएं दी।



नंदेड (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने नंदेड जिले के किसान, उद्योगपति, व्यावसायी, पत्रकार, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर किसानों की आत्महत्याएं रोकने के लिए और परिस्थितियां बेहतर बनाने के लिए क्या-क्या प्रयास किया जा सकता है इसके संदर्भ में चर्चा की। इस मौके पर जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी भाऊसाहेब बरहाटे और किसानों के प्रतिनिधिमंडल से सेंट्रीय कृषिभूषण बीके भगवान झंगोले ने किसानों की वर्तमान परिस्थिति, व्यथाएं में परिवर्तन करने के लिए कुछ सुझाव राज्यपाल से सांझा किए।



कुरुक्षेत्र, हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज के कुरुक्षेत्र सेवा केंद्र में राष्ट्र निर्माण में सहयोग देने वाले शिक्षकों के लिए समरप्त बुद्धिमत्ता से प्रभावी शिक्षण-विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें अंतर्राष्ट्रीय वक्ता बीके डॉक्टर ईवी स्वामीनाथन ने कहा कि बच्चों के निर्माण में माता-पिता और शिक्षक तीनों का अहम योगदान महत्वपूर्ण होता है। आज हमारे बच्चे, जीवन क्या हैं? इसके बारे में गूगल पर ढूँढ रहे हैं। शायद हम उहें इस बारे में बता नहीं पा रहे हैं। उन्होंने अधिमन्यु का उदाहरण देते हुए बताया कि बच्चों को गर्भ में ही शिक्षा देनी चाहिए। भावना, बुद्धिमत्ता के साथ आध्यात्मिकता अत्यंत जरूरी है। शिक्षा में सबसे महत्वपूर्ण कौशल एकाग्रता है जिसे हम सब शिक्षक को सीखना चाहिए। प्रभारी बीके सरोज बहन और स्कूल आफ मैनेजमेंट की प्रो. निर्मला चौधरी ने भी संबोधित किया।

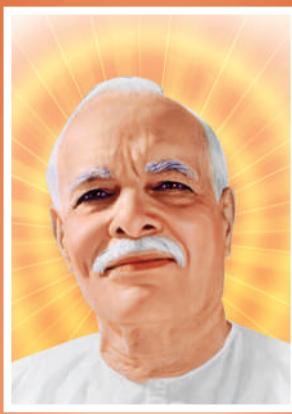


भीनमाल, राजस्थान। ब्रह्माकुमारी राज्योग केन्द्र द्वारा ब्लॉक स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें 57 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। मीडिया प्रभारी माणकमल भंडारी ने बताया कि समारोह में गत वर्ष 10 एवं 12 बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 57 विद्यार्थियों, अभिभावकों का माला, शाल के साथ स्मृति चिन्ह देकर अभिनंदन किया गया। सेवाकेन्द्र प्रभारी गीता बहन ने कहा कि जीवन में शिक्षा के साथ ज्ञान का भी महत्वपूर्ण स्थान है। हमें शिक्षा के साथ ज्ञान का भी अध्ययन करना चाहिए। भारत विकास परिषद के अध्यक्ष नरेन्द्र आचार्य, सन तो ह्यूमन के अध्यक्ष कन्हैयालाल खण्डलवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए।



सेवा केंद्र की संचालिका बीके वासंती दीदी, विधायक सीमा ताई हिं, श्रीकंठानंद स्वामी, संदीप विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राजेन्द्र सिन्हा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। स्वागत भाषण मुंबई नाका सेवाकेंद्र की प्रभारी बीके वीणा दीदी ने दिया।

ईश्वर प्राप्ति के प्यासे लोगों को पुनः ईश्वर के गुणों व शक्ति पर हमारा पूर्ण अधिकार है। यदि ये गुण और शक्तियां हमारे पास होंगी तो हमारे बुरे विकार, विचार, रोग और दुःख नष्ट हो जाएंगे। इससे हम अवश्य ही नए सत्युग मिर्माण में जाने के योग्य बन जाएंगे। इस शिवदर्शन भवन का निर्माण दुःख-तकलीफों में खोये हुए तथा



प्रजापिता ब्रह्मा बाबा, संस्थापक,
प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय
विश्व विद्यालय, माउंट आबू

हमने प्रभु का परिचय दे
दिया, ताकि कोई उल्हना
न दे सके कि "प्रभु! आप
साधारण मानवी वेदा में आए
और हम पहचान नहीं पाए

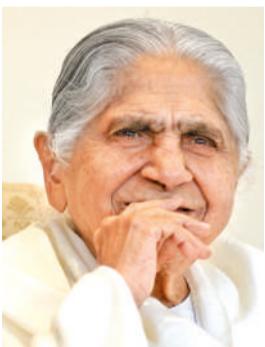
प्रेरणापुंज

बाबा किसी भी बात में किसी को दोषी नहीं समझाते थे...

शिव आमृतनंद, आबू रोड/राजस्थान।

देह यही है लेकिन आत्मा जैसे इस देह में होते हुए भी विकारों से मुक्त है। सहज पांच विकारों को छोड़ दिया, फेंक दिया। किसी को छोड़ने में थोड़ा टाइम लगा होगा। अगर मोह वश थोड़ा भी छोड़ने में टाइम लगाया तो बाबा को भी छोड़ के चले गए या क्रोध के वश होके बाबा को छोड़ के चले गए। क्रोध का कारण भी है देह अभिमान, मेरी बात मानी जाए, मैं जो कहूँ वही हो। उसको श्रीमत को पालन करना मुश्किल लगेगा। बीच में मनमत होगी तो बड़बड़ करते रहेंगे। शान्त नहीं हो सकेंगे। ईश्वर की बात को ध्यान से सुन करके ध्याण नहीं कर सकेंगे। कारण है-देह अभिमान, क्योंकि देह-अभिमान गुप्ता दिलाता है। जिन्होंने 'काम' महाशत्रु को भी जीत लिया फिर

**योग में रह कर शान्ति की
शक्ति जमा करें। कितनी
मेहनत होती है कई तो
कर्माई करने में भी इतना
टाइम नहीं देते लेकिन सारा
दिन खर्चा ही खर्चा।**



राजयोगिनी दादी जानकी,
पूर्व मुख्य प्रशासिका,
ब्रह्माकुमारीज, माउंट आबू

भी बाबा का हाथ छोड़ देने का मतलब है क्रोध। वह भी कम नहीं है तो हमारे में जरा भी गुस्से का अंश मात्र भी न हो तब कहेंगे-हम अपना मित्र हैं। नाराज होने की अंश मात्र भी नेचर न हो। कभी भी नाराज हुए मान मूँह चेंज हो गई। अपमान महसूस किया तो वह योगी कैसे बन सकता है। जो सच्चा योगी है वह दुःख-सुख, मान-अपमान, निन्दा-स्तुति, हार-जीत में समान है। यही लाइफ है। मम्मा, बाबा को ऐसे देखा है। सब समझे यह हार में जा रहे हैं लेकिन बाबा कहते कि धीरज धरो। बाबा किसी भी बात में किसी को दोषी नहीं समझते थे।

कहते थे कि इसमें इसका दोष नहीं। बस जबाब यही होता था। कितना हमको बाबा समझदार बनाता है तो हम भी ऐसे शान्त, चुप रहें। अगर योगी हैं तो इससे अपे ही सब ठीक हो जाएगा। लेकिन पहले तुम योगी तो बनो। योग से काम तो लो, कम से कम दुःख-सुख, हार-जीत में समान तो बनो। जो भी सीन सामने आ रही है, तुम तो समानता में रहो। फिर जिससे योग लगाते हैं वह अपे ही करेगा। हमको तो इन बातों का इतना अच्छा अनुभव है बात पूछो। हमारा योग किसके साथ है? जब सर्वशक्तिमान के साथ योग है तो वह शक्ति मेरे पास हो जिससे समान रहने की शक्ति मेरे अन्दर आए। सामना करने का या बदला लेने का ख्याल न आए, लेकिन उसमें भी समान रहूँ। चिन्तन न चले। मैं शान्त रहूँ तो बुद्धिवानों का बुद्धि बाबा अपे ही उनको ठीक करेगा, वह उसका काम है।

मेरा काम क्या है? बाबा कहते हैं 'स्वधर्म' में टिको, धरत परिये धर्म न छोड़िए। यह स्वधर्म शक्ति देने वाला है। हरेक को अनुभव होगा जितना समय डीप साइलेन्स में रहो उतना समय शक्तिशाली स्थिति का अनुभव होगा। कमजोरी महसूस तब होती है जब साइलेन्स में नहीं रहते। जैसे ठीक टाइम पर हमने खाना नहीं खाया, रेस्ट नहीं की तो कमजोरी आएगी। वैसे साइलेन्स में हम न रहे, शान्ति से शक्ति अन्दर जमा नहीं की तो खर्चा बहुत, कर्माई कम।

भाषा होगी। फिर 2500 वर्षों तक न कोई युद्ध होगा और न विश्व में अशान्ति होगी। बाद में उल्हना न देना! हमारी इन अधिकारपूर्ण बातों को सुनकर लोग आश्चर्यान्वित होते। उनके मन को हमारी बात ठीक भी लगती परन्तु उन्हें आचरण में लाने का यत्न तो कोई विरला ही सौभाग्यशाली करता। हमने अपने कर्तव्य का पालन करते हुए प्रभु का परिचय दे दिया, ताकि कल कोई उल्हना न दे सके कि 'प्रभु! आप साधारण मानवी वेश में आए और जिन्होंने आपको पहचानकर अपना जीवन उच्च बनाया और आपसे अपार खजाना पाया, उन्होंने हमें सूचना भी न दी और आपका परिचय भी न दिया।

जापान में शिव की प्रतिमा का प्रयोग-

ब्रह्माकुमारी प्रकाशमणि जी ने लिखा है- जापान में हम 'एनानायक्यो' नाम की जिस धार्मिक संस्था के निमन्त्रण पर 'विश्व धर्म सम्मेलन' में सम्मिलित हुए थे, उसके प्रचारक तथा अनुयायी जिस प्रकार की साधना करते थे, उसकी ओर हमारा विशेष ध्यान गया। क्योंकि उसमें वे एक ऐसी प्रतिमा का प्रयोग करते थे जिस प्रतिमा का प्रयोग भारतीय लोग भी करते हैं। उन लोगों की साधना की विधि यह थी कि वे अपने तरीके से एक आसन पर बैठ जाते थे और अपने सामने कुछ दूर एक स्टैंड रखते थे और उसके केन्द्र

में एक अण्डाकार पत्थर रखते थे। उसे वे पवित्र मानते थे और उसी पर अपने नेत्र टिका कर अर्थात् दृष्टि स्थिर करके मन को एकाग्र करने का अभ्यास करते थे। वे मानते थे कि इस प्रकार के अभ्यास से आत्मा का परमात्मा से सम्बन्ध जुट जाता है। अपनी भाषा में वे जो शब्द प्रयोग करते थे, उसका भाव यह होता कि यह अभ्यास आत्मा और परमात्मा के बीच मानो एक 'पुल' बांधने के भाव से किया जाता है। उनकी संस्था का नाम 'एनानायक्यो' भी शायद इसी अर्थ का बोधक था। एक दिन हमने उस मत के अनुयायियों से पूछा कि आप अपनी साधना-पद्धति में इस अण्डाकार पत्थर का क्यों प्रयोग करते हैं? आप किसी अन्य आकार का पत्थर क्यों नहीं ले लेते? इस पत्थर को आप किसका प्रतीक मानते हैं? वे बोले - इसे हम 'पवित्र' मानते हैं। साधना की यह रीत हमारे यहाँ परम्परा से चली आई है। इस साधना से हमें शान्ति मिलती है। यह किसका प्रतीक है? यह हम नहीं जानते। इसके विषय में शायद हमारे मान्यवर प्रधान अथवा संस्थापक ही बता सकेंगे। हमने सोचा कि यह भी एक विचित्र बात है कि जिस प्रतीक का ये लोग अपनी साधना में प्रयोग करते हैं, उसके बारे में इन्हें इतना भी पता नहीं कि यह किसकी प्रतिमा है! वे लोग अभ्यास समाप्त करने के बाद उस पत्थर को स्टैंड से उतार कर एक सफाई कर बस्त्र में आदर-पूर्वक लपेट कर रख लेते थे। क्रमशः

रियल लाइफ

प्रभु! आप आए और हम पहचान नहीं पाए...

शिव आमृतनंद, आबू रोड/राजस्थान।

परमपिता परमात्मा कहते हैं कि विश्व-शान्ति की स्थापना के लिए आप चिन्ता न कीजिए। यह कार्य मेरा है। आप इसमें मुझे सहयोग दीजिए। आपसे मुझे इतना सहयोग चाहिए कि आप स्वयं पवित्र बनिए और मेरी स्मृति में रहिए क्योंकि अब मुझे पूर्णतया पवित्र सत्ययुग दैवी सृष्टि की स्थापना करनी है। विश्व में सम्पूर्ण शान्ति के बाल सत्ययुग में ही होती है और उसके बाल सत्ययुग में ही होती है। यह कार्य किसी मनुष्य का नहीं है। अतः आप सभी धार्मिक नेता स्वयं पवित्र एवं योग-युक्त बने और दूसरों को भी अब पवित्र बनने का और ईश्वर को याद करने का एकमात्र सन्देश दो क्योंकि वर्तमान काल विश्व के इतिहास का अन्तिम चरण है।

एटम और हाइड्रोजन बम विश्व के विनाश के लिए बने हैं और तृतीय विश्व युद्ध अपने रोकने से भी नहीं रुक सकेगा क्योंकि उस द्वारा महाविनाश होना ही है और लगभग सभी आत्माओं को परमपिता परमात्मा अब शान्ति की इच्छा पूरी करने के लिए उन्हें वापस अपने धारणे और आसुरी मतों के विनाश के परिणामस्वरूप इस मनुष्य लोक में भी पूर्ण शान्ति हो जाएगी। यहाँ पर केवल एक दैवी धर्म, एक चक्रवर्ती दैवी मर्यादा वाला राज्य और एक ही

अव्यक्त इथारे

हमें सर्वगुण संपन्न, संपूर्ण निर्विकारी यहाँ ही बनना है

शिव आमृतनंद, आबू रोड/राजस्थान।

बाबा कहते हैं कि समय को तो देख रहे हो, कितना बदल रहा है। हमको क्या करना है, वह सोचो। ऐसे नहीं कि समय आएगा तो हम तैयार हो जाएंगे। फिर तो समय हमारा शिक्षक हुआ, परमात्मा नहीं। परमात्मा ने इतना समझाया तो हम नहीं बदले और समय जब आया तो बदल गए तो मेरा कौन शिक्षक हुआ? परमात्मा हुआ या समय हुआ। किन्तु नशे की बात है कि बड़े

से बड़े शिक्षक खास परमधाम से हमको पढ़ाने के लिए आता है, इतने तो हम सिक्कीलथे हैं, लाइले हैं, ऊंचे हैं जो खास परमात्मा हमारे लिए आता है, पढ़ाने के लिए। यह किसकी प्रतिमा है! वे लोग अभ्यास समाप्त करने के बाद उस पत्थर को स्टैंड से उतार कर एक बाल समझते हैं।

राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी (गुलजार दादी), पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज

- सोचने की या मेहनत करने की जरूरत ही नहीं है,
- सिर्फ ब्रह्मा बाबा को कॉपी करना है।

लिया, लेकिन आत्मा जो सम्पूर्ण बननी चाहिए वह सम्पूर्ण आत्मा हूँ? ऐसे आत्मा तो पापात्मा भी है, रजेगुणी आत्मा भी है लेकिन हम कौन सी आत्मा हैं? तो सेल्फ में यह रियलाइजेशन किया कि मैं आत्मा हूँ लेकिन जो हमारा लक्ष्य है कि मैं बाप समान बनूँ संपूर्ण बनूँ। हमारा जो टाइटल है- सर्वगुण सम्पन्न, सम्पूर्ण निर्विकारी... वह यहाँ ही तो बनना है ना। डिग्री तो अभी लेनी है, फिर स्टेटस वहाँ मिलेगा। अपने को रियलाइज करना है कि मैं सचमुच बाप समान बनी हूँ?

हमारा हर कर्म श्रीमत के प्रमाण हो...

जो भी काम करो चेक करो कि ब्रह्मा बाबा को यह प्यारा है। अगर ब्रह्मा बाबा को प्यारा नहीं है तो मैं नहीं कर सकती हूँ। हमारा बहुत सहज पूरुषाधार है, मेहनत करने की जरूरत ही नहीं है, क्योंकि हमको फॉलो करना है। कोई अपना रस्ता तो बनाना ही नहीं है। जो सोचें कि पता नहीं यह ठीक होगा या नहीं होगा। मजिल मिलेगी कि नहीं मिलेगी, यह सोचें की जरूरत ही नहीं है। हमें तो जो ब्रह्मा बाबा ने किया है उसके कदम के पीछे कदम रखना है। शिव बाबा ने सबके से रात्रि तक के लिए श्रीमत दी हूँ। कैसे उठो, कैसे काम करो, कैसे भोजन बनाओ, कैसे खाओ, कर्म करते हो, व्यापार करते हो या दफ्तर में जाते हो तो कर्मयोगी कैसे बनो? हर कर्म के लिए बाबा की श्रीमत है। तो जो श्रीमत है उसी प्रमाण चलते चलते तो मू



ब्रह्मा बाबा ने रखी थी राजापार्क सबजोन की नींव, डायमंड जुबली मनाई



श्री आमृतांगण, राजापार्क, जयपुर

साकार ब्रह्मा बाबा द्वारा स्थापित जयपुर राजापार्क सब जोन को राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में सेवाओं के विस्तार के उद्देश्य को लेकर 60 वर्ष पूर्ण होने पर डायमंड जुबली समारोह जयपुर के एंटरेनमेंट पैराडाइस में आयोजित किया गया। बता दें कि राजापार्क सबजोन द्वारा राजस्थान के कोने - कोने में जयपुर, अलवर, जोधपुर, उदयपुर, झूंगरपुर, सीकर, पाती, बाड़मेर, झुंझुनू, जैसलमेर, राजसमंद, बांसवाडा में विहंग मार्ग की सेवाएं की जा रही हैं। जिसमें सेवाओं की नींव पूर्व संचालिका निर्मला दीदी ने रखी। सबजोन निदेशिका बीके पूनम दीदी के मार्गदर्शन में सबजोन के सेवाकेंद्रों की मुख्य 21 वरिष्ठ राजयोगिनी

ब्रह्माकुमारी दीदियों का सम्मान किया गया। इसमें मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय आध्यात्मिक वक्ता राजयोगिनी बीके उषा दीदी ने कहा कि आज से 60 साल पूर्व जब कोई साधन नहीं थे, जब इतने भाई-बहने नहीं थे, जब ऐसी सुविधा नहीं थी ऐसे समय पर जयपुर के अंदर प्यारे बाबा ने श्रद्धेय निर्मला दीदी को भेजकर यहां सेवा प्रारंभ की थी। साथ ही पूनम बहन बहुत छोटी सी आयु में बाबा के सामने आए और बाबा ने ही अपने वरदानों से सींचा। आपका जीवन, मम्मा ने भी अपने वरदानों बोल से आपके अंदर वह शक्ति को जागृत किया जिससे आज इतने बड़े सबजोन की जिम्मेवारी बखूबी निभा रही है।

कार्यक्रम में सम्मानित मुख्य 21 बहनों में बीके निर्मला दीदी (कमल अपार्टमेंट जयपुर सेवाकेंद्र इंचार्ज), बीके

शील दीदी (जोधपुर सेवाकेंद्र इंचार्ज), बीके फूल दीदी (जोधपुर सेवाकेंद्र इंचार्ज), बीके सुशीला दीदी (अलवर सेवाकेंद्र इंचार्ज), बीके ममता दीदी, अलवर आदि रही। शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय संगीत गुरु रोहित कटारिया ने सुदर्गीतों की प्रस्तुति दी।

इसके अलावा राजापार्क सबजोन की अब तक की सेवाओं को एक संक्षिप्त वीडियो द्वारा प्रदर्शित किया गया एवं आदिकालीन सेवाओं की एक लघु नाटिका दिखाई गई। संचालन बीके स्नेह दीदी (सोडाला सेवाकेंद्र इंचार्ज) एवं बीके श्रुति बहन ने किया। इसमें लगभग 300 ब्रह्माकुमारी बहनें एवं हजारों की संख्या में भाई-बहने मौजूद रहे। अंत में सभी को सौगात भेट कर ब्रह्माभोजन स्वीकार करवाया गया।



जबलपुर, मप्रा हैंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा राष्ट्रीय स्तर की सेंट्रल जोन कॉर्फेस का आयोजन किया। इसमें मुख्य अतिथि इलाहाबाद हाईकोर्ट की पूर्व मुख्य न्यायाधीश प्रीतिकर दिवाकर, सेवाकेंद्र संचालिका बीके भावना बहन, एनएससीबी मेडिकल

कॉलेज के पूर्व डीन प्रो. डॉ. प्रदीप के कसार, डॉ. प्रो. नवनीत सकरेना, आईएएम के डॉ. श्रीराज अबकारी, डॉ. प्रो. वृन्द के भारद्वाज, डॉ. अमेन्द्र, डॉ. आदित्य परिहार सहित हैंडियन मेडिकल एसोसिएशन से जुड़े बड़ी संख्या में डॉक्टर मौजूद रहे।



श्रीनगर गढ़वाल (उत्तराखण्ड)। ग्रीष्मकालीन राजथानी भराडीसैण (गैरसैण) चमोली में मानसून सत्र के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ऋष्टु खण्डडी भूषण की विशेष पहल पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें ब्रह्माकुमारीज की बहनों बीके नीलम दीदी, बीके सरिता दीदी ने 70 सदस्यीय विधानसभा में मुख्यमंत्री, आठ मंत्रियों, 60 विधायकों सहित विधानसभा सत्र में आए हुए अधिकारियों, कर्मचारियों एवं मीडिया के 500 से अधिक भाई-बहनों को रक्षासूत्र बांधा। बीके मेहरचन्द भाई भी विशेष रूप से मौजूद रहे।



कट्टनी, मप्रा जिले में जिला न्यायाधीश जितेंद्र कुमार शर्मा के प्रथम आगमन पर कट्टनी सिविल लाइन की बीके लक्ष्मी दीदी, बीके दुर्गा बहन, बीके नेहा बहन, बीके ज्योति बहन ने मूलाकात कर स्वागत किया और दीपावली की शुभकामनाएं दीं।



लखीसराय, बिहार पावर ग्रिड उपकेंद्र में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के समाप्ति पर पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की सम्पृष्ठि के विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में पावर ग्रिड उपकेंद्र लखीसराय के प्रबंधक अमित कुमार सिंह, पटना से तनाव प्रबंधन विशेषज्ञ संजय कुमार, सेवाकेंद्र लखीसराय की संचालिका बीके रीता बहन ने अपने विचार व्यक्त किए।

शांत मन से क्रोध और तनाव पर नियंत्रण रखना सहज



श्री आमृतांगण, इंदौर, मप्र

ब्रह्माकुमारीज के सुरक्षा सेवा प्रभाग द्वारा न्यू पलासिया स्थित ज्ञान शिखर ओम शांति भवन में राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। विषय था 'स्व सशक्तिकरण से राष्ट्र सशक्तिकरण'। इसमें इन्फैट्री स्कूल के कपांडेट लेफ्टिनेंट जनरल गजेंद्र जोशी ने कहा कि जिस प्रकार सुरक्षा सेवाओं में जवानों के शारीरिक प्रशिक्षण तथा अस्त्र-शस्त्र हथियारों की शिक्षा दी जाती है इसी प्रकार मानसिक स्वास्थ्य का भी प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।

जिससे जवानों को मन को शांत रखने की कला सीखने को मिले। शांत मन से क्रोध व तनाव पर नियंत्रण अच्छी तरह से रख सकते हैं। आरएटीसी के स्पेशल डीजी वरुण कपूर ने कहा कि सुरक्षा के कार्य में जुड़े अधिकारी और जनता को जागरूकता जब मिल जाती है, तब ही सही सुरक्षा मिलती है। एक अच्छे राष्ट्र की पहचान वहां की सुरक्षा व्यवस्था ही होती है। स्व सशक्तिकरण के लिए आत्म सुरक्षा आवश्यक है। जीवन में अनुशासन, आदर और ईमानदारी ही आत्म सुरक्षा के सबसे बड़े साधन हैं। सेवानिवृत्त वॉइस एडमिरल एसएन

घोरमड़े ने कहा कि मनुष्य अपने मन को भी आत्म अनुशासन के द्वारा सशक्त कर स्वयं के आंतरिक दुश्मन तनाव, भय, चिंता, अशांति पर विजय प्राप्त कर सकता है। मेडिटेशन या ध्यान मन को मजबूत बनाता है और हमें सदा खुश रहना सिखाता है। इंदौर जोन की निदेशिका बीके हेमलता दीदी, मोटिवेशनल स्पीकर इंवी स्वामीनाथन, प्रभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक गाबा, रक्षा अनुरंगाधान एवं विकास मंत्रालय के अतिरिक्त निदेशक कैप्टन शिव सिंह, कर्नल सती सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए।



स्वच्छ-स्वस्थ समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण की लॉन्चिंग

मानसिक, भावनात्मक रूप से भी स्वस्थ रहें

श्री आमृतानन्दमयी, कोलकाता

ब्रह्माकुमारीज (कोलकाता संग्रहालय) द्वारा कला मंदिर ऑफिटोरियम में स्वच्छ और स्वस्थ समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण का लॉन्चिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। शुभारंभ पर संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी सुदेश दीदी ने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ समाज को साकार करने में आध्यात्मिकता का सर्वोपरि महत्व है। हम सभी अपने घरों में सफाई का ध्यान रखते हैं, सरकार भी देश की सफाई का ध्यान रखती है लेकिन हमें दिल की सफाई और एक ऐसे समाज के लिए प्रेम की भावनाओं के प्रति भी उतना ही अधिक चौकस रहने की जरूरत है जो न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ हो बल्कि मानसिक, भावनात्मक और नैतिक रूप से स्वस्थ हो।

पूर्वी ज्ञान मुख्यालय की प्रभारी राजयोगिनी बीके कानन दीदी ने कहा कि यह वह समय है जब भगवान, सर्वोच्च सत्ता वर्तमान में विश्व



परिवर्तन का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने आत्माओं को सर्वोच्च से जुड़ने और परिवार में प्रेम और खुशी का अनुभव करने के लिए उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आमंत्रित किया। राज्य मुख्य सूचना आयुक्त और पूर्व डीजीपी वीरेंद्र कुमार, राज्य सूचना आयुक्त नवीन प्रकाश, आपदा प्रबंधन के प्रमुख सचिव दुष्यंत नरियाला, सार्वजनिक उद्यम और उद्योग पुनर्गठन की सचिव स्मिता पांडे, रोटरी के पूर्व प्रमुख और एमसीकेवी के अध्यक्ष

किशन के जरीवाल और पूर्व रोटरीयन की पत्नी स्वाति मल्होत्रा मुख्य रूप से मौजूद रहे।

शीतल दुर्ग, चेयरपर्सन, जीतो एपेक्स लेडीज विंग, सुनीता मेहता, ईस्ट जोन कन्वेयर, जीतो लेडीज विंग एपेक्स, कोलकाता, राजू भारत और अंजना भारत, केनिलवर्थ होटल कोलकाता के मालिक द्वारा बीके सुदेश दीदी का सम्मान किया गया। बच्चों ने मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी। बीके चंद्रा बहन ने भी अपने विचार व्यक्त किए।



मुंगेली, छत्तीसगढ़ा जिला केंद्रीय कारागृह में कैदियों को तनाव मुक्त जीवन विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस मौके पर जिला जेल की उप अधीक्षक ममता पटेल, बीके नारायण भाई, बीके राधे, बीके अशोक, बीके राम अवतार, बीके लक्ष्मी बहन मौजूद रहीं।



बरेली, उप्रा आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि महाराज से ब्रह्माकुमारीज की ओर से बीके पार्वती बहन, बीके नीता बहन, बीके पारुल बहन, बीके अनुराग भाई, बीके अनुप भाई ने मुलाकात कर समृद्धि चिंह भेंटकर सम्मान किया।

जालंधर, पंजाब ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र में विजडम हॉल का उद्घाटन प्रेरक वक्ता बीके शिवानी दीदी, गांधीनगर की बीके कैलाश दीदी, बीके उत्तरा दीदी के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर शहर की जानी-मानी हस्तियां विशेष तौर पर मौजूद रहीं।

हीरक जयंती : ब्रह्माकुमारीज के गवालियर सेवाकेंद्र के 63वें स्थापना दिवस पर आयोजन

जब हम सेल्फ रेस्पेक्ट करना सीख जाएंगे, तो दूसरों का भी सम्मान कर सकेंगे : संतोष दीदी

श्री आमृतानन्दमयी, गवालियर, मप्रा

हमको मन की शक्ति देना मन विजय करे, दूसरों की जय से पहले खुद की जय करें। पहले हम खुद को सम्मान देना सीखें। जब हम सेल्फ रेस्पेक्ट करना सीख जाएंगे, तो हम दूसरों का भी सम्मान कर सकेंगे।

यह विचार रशिया सेंट पीटर्सबर्ग की प्रमुख बीके संतोष दीदी ने ब्रह्माकुमारी केंद्र गवालियर के 63वें स्थापना दिवस पर आईआईटीएम सभागार में आयोजित समारोह में किया। इस मौके पर कलेक्टर सचिवा सिंह चौहान, भोपाल ज्ञान की निर्देशिका राजयोगिनी बीके अवेद्ध दीदी, भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आशीष प्रताप सिंह, आईआईटीएम के निदेशक आलोक शर्मा, आरोग्य भारती



मध्य भारत प्रान्त अध्यक्ष डॉ. एसपी बत्रा मुख्य रूप से मौजूद रहे। कलाकारों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम को ब्रह्माकुमारी लश्कर केंद्र की प्रभारी बीके आदर्श दीदी, तानसेन नगर केंद्र की प्रभारी

बीके सुधा दीदी, मुरैना केंद्र प्रभारी बीके रेखा दीदी ने भी संबोधित किया। संचालन बीके डॉ. गुरुचरण सिंह एवं बीके ज्योति बहन ने। आभार बीके प्रहलाद भाई ने माना। इस मौके पर गवालियर के सभी केंद्रों की प्रमुख एवं बड़ी संख्या में भाई-बहिन मौजूद रहे।

समर्प्या- समाधान

सुंदर, श्रेष्ठ विचार ही हमारे जीवन को सुंदर बनाएंगे

श्री आमृतानन्दमयी, आबू दीड़।



हमारे संकल्प ऊर्जा का निर्माण करते हैं।

जो हम सोचते हैं उसी प्रकार की ऊर्जा का निर्माण होता है। अतः हमें सुंदर और सकारात्मक संकल्पों की रचना करनी चाहिए। सुंदर विचार ही जीवन को सुंदर बनाएंगे। इस प्रकार सोच को बदलने से जीवन में परिवर्तन आने लगता है। अतः खुशी देने वाले संकल्पों को रचने से जीवन खुशानुमा हो जाता है। सुबह उठते ही पहले 10 मिनट तक इन संकल्पों को रिवाइज करो कि मैं बहुत भाग्यवान आत्मा हूं। मैं बहुत सुखी हूं। मेरा भविष्य बहुत सुंदर है। सुबह-सुबह इन संकल्पों को दोहराने से दिन अच्छा व्यतीत होगा, भाग्य साथ देने लगेगा और जीवन खुशानुमा हो जाएगा।

राजयोग के प्रयोग की विधि से समस्याओं का हल निकालना और बीमारियों को ठीक करने का अयास करना है। हम कल्याण के अंत में पहुंच गए हैं। इस समय नकारात्मकता की सुनामी चल रही है। इससे बचने के लिए हमेसा स्वमान में रहें। ऐसा करने से निराशा अवसाद से बचा जा सकता है और जीवन में खुशी भी रहेगी। हमें प्रतिदिन पुण्य का काम कर दुआएं लेनी चाहिए। पाप कर्म शांति को छीन लेते हैं। पृथ्यों से आत्मा हल्की हो जाती है। हमें लागें को सुख देकर उनसे दुआएं लेनी चाहिए जो दुआएं मुसीबत के समय में हमारी रक्षा करती हैं।

ब्रेन में छुपे हुए पापकर्म एक्टिव होकर सोने नहीं देते

कार्य व्यवहार में छोटी-छोटी बातों के कारण लोग अपनी शांति को भंग कर लेते हैं। तनाव-ग्रसित होकर दूसरों को भी तनाव के धेरे में बांध ले रहे हैं। खुद से पूछो कि अपनी शांति, खुशी की कीमत ज्यादा या उन बातों की। उत्तर तो स्पष्ट है। मुझे लोग बताते हैं- साढ़े दस बजे नींद आ रही थी चलें सोने के लिए। जब बिस्तर पर गए बिल्कुल ल फ्रेश। चार बजे गए नींद ही नहीं आ रही अभी तक।

क्या हुआ, नींद तो आ रही थी तब ? मनुष्य केब्रेन की जो नेचुरल गति है जो सोने के समय सुलाना चाहती है लेकिन बेड पर जाते ही ब्रेन में छुपे हुए पापकर्म एक्टिव हो फ्रेश होकर सोने नहीं दे रहे हैं। फिर दिन भर आलस्य-सुस्ती बनी रहती है। कोई भी कार्य सही तरीके से नहीं हो पाता है। जिससे फिर तनाव, डिप्रेशन बना रहता है।

सकारात्मकता के हथियार से विजय सुनिश्चित

वर्तमान में प्रत्येक घर-परिवार में दिन-प्रतिदिन समस्याएं बढ़ती ही जा रही हैं। भय एवं तनाव दूर होते हैं इससे निर्णय शक्ति बढ़ती है। मनुष्य का चिंतन सकारात्मक हो तो बीमारियां भी दूर भाग जाती हैं। राजयोग के अयास से हमारे जीवन में सद्गुणों का प्रादुर्भाव होता है। भय एवं तनाव दूर होते हैं इससे निर्णय शक्ति बढ़ती है। सकारात्मकता के हथियार से विजय सुनिश्चित है। क्या आपकी ही होगी। राजयोग के अयास से आत्मा में व्याप दुःख और अशांति के मूल कारण काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहकार आदि दूर होते हैं तथा मनुष्य के कर्मों में दिव्यता एवं कुशलता आती है।



ब्रह्माकुमारीज सीतापुर का रजत जयंती समारोह आयोजित, मंत्री बोले- सामाजिक उत्थान में संस्था का अद्वितीय योगदान



शिव आमंत्रण, सीतापुर, उप

ब्रह्माकुमारीज सीतापुर का रजत जयंती महोत्सव शहर के लालबाग स्थित शहीद पाक में धूमधाम के साथ मनाया गया। प्रदेश के नगर विकास राज्यमंत्री राकेश राठौर, ब्रह्माकुमारीज नेपाल की उपाध्यक्ष बीके दुर्गा दीदी, सुप्रसिद्ध मोटीवेशनल स्पीकर प्रो. बीके इवी स्वामीनाथन ने अतिथि के रूप में भाग लिया।

कार्यक्रम में नगर विकास मंत्री राठौर ने कहा कि सीतापुर में संस्था की स्थापना का 25 वर्ष पूर्ण होना गौरव की बात है। वैशिक स्तर पर मानवता के कल्याण हेतु समर्पित संस्था का सामाजिक उत्थान में योगदान अद्वितीय है। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि मुनाँद्र अवस्थी ने संस्था के सदस्यों को शांतिदूत

बताते हुए कहा कि इनका दिव्य और स्वच्छ जीवन समाज के लिए प्रेरणा है। प्रेरक वक्ता प्रो. इवी स्वामीनाथन ने कहा कि राजयोग के अभ्यास से हम अपने जीवन को शांत, संतुलित और सकारात्मक बना सकते हैं। यही खुशहाल जीवन का राज है। ब्रह्माकुमारीज नेपाल की उपाध्यक्ष बीके दुर्गा दीदी ने कहा कि तनावमुक्त जीवन जीने के लिए आध्यात्मिक जीवनशैली को अपनाना होगा। मीरजापुर की प्रभारी बीके बिंदू दीदी, नेपाल से आए वरिष्ठ राजयोगी बीके कृष्णा भाई, बीके मुना दीदी आदि ने भी सम्बोधित किया। इससे पूर्व दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। ब्र.कु. रश्मी, ब्र. कु. ज्ञानु, मोना, आरती, पूजा, बीना आदि ने पृष्ठगुच्छ, तिलक, अंगवस्त्र द्वारा तो ब्र. कु. रश्म बहन ने शब्द पुष्प से अतिथियों

का स्वागत किया। स्वागत नृत्य मीरजापुर से आई हुई बाल कलाकार आराध्या एवं माही ने किया। सीतापुर प्रभारी ब्र.कु. योगेश्वरी दीदी ने संस्था की स्थापना से लेकर अभी तक के अभिनव कार्यों पर प्रकाश डालते हुए परमात्मा शिव के प्रति आभार प्रकट किया। धन्यवाद ज्ञापन ब्र.कु. सालिग्राम भाई ने किया। कार्यक्रम में अपने घर परिवार में रहते हुए राजयोग जीवन शैली को अपनाकर दिव्य, पवित्र एवं सात्त्विक जीवन जीने वाले 25 से अधिक गृहस्थजनों का विधिवत सम्मान हुआ। सुप्रसिद्ध गायक कलाकार राजयोगी ब्र. कु. नितिन ने अपने जादुई सुरों से शमा बांधा। उनके द्वारा महिला एवं पुरुष दोनों के आवाज में दी जा रही प्रस्तुति सुन लोग हैरत में पड़े। भीड़िया प्रभारी बीके विपिन भाई ने संस्था का सामाजिक सरोकार के बारे में बताया।

सशस्त्र पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में तनाव मुक्ति कार्यशाला संपन्न



सीतापुर, उप्रा ब्रह्माकुमारीज सीतापुर द्वारा सशस्त्र पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में जीवनों के लिए तनाव मुक्ति एवं मानसिक शांति हेतु विशेष ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन हुआ। सशस्त्र पुलिस बल के एडीजी के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम मोटिवेशनल स्पीकर बीके तापेसी दीदी ने कहा कि व्यक्ति का अभिमान ही आपसी संबंध को तोड़ता है, इसलिए अपने अभिमान को त्याग कर संबंध को बचाने की जरूरत है। क्षेत्रीय कार्यालय बनारस के भीड़िया एवं जनसंपर्क प्रभारी बीके विपिन ने भी सम्बोधित किया। बीके योगेश्वरी दीदी ने आभार जताया।

नई पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य और प्रदेश, देश के विकास के लिए नशामुक्त भारत का निर्माण जरूरी है: मंत्री

शिव आमंत्रण, झाबुआ, मप्र

ब्रह्माकुमारीज के मेडिकल विंग एवं सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग भारत सरकार के संयुक्त तत्वाधान में चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान का शुभारंभ आदिम जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान की उपस्थिति में किया गया। शिव स्मृति भवन गोपालपुर में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री चौहान ने कहा कि जो मानव चरित्र निर्माण से जुड़ा है नशा सर्वत्र नाश का कारण है। नशे से व्यक्तिगत हानि के साथ-साथ इसका प्रभाव परिवार एवं समाज पर भी पड़ता है। नई पीढ़ी उज्ज्वल



भविष्य के लिए प्रदेश एवं देश के विकास के लिए नशा मुक्त भारत का निर्माण जरूरी है। सांसद अनिता चौहान ने कहा कि आज

के समय में हर मनुष्य आत्मा को अध्यात्म के साथ जुड़ना अनिवार्य है। संचालिका बीके जयंती दीदी ने भी संबोधित किया।

शिव आमंत्रण, सदस्यता हेतु संपर्क करें-

वार्षिक मूल्य □ 150 रुपए □ तीन वर्ष 450 रुपए
□ आजीवन 3500 रुपए
मो □ 9414172596, 8521095678

Website □ www.shivamantran.com

पत्र व्यवहार का पता

संपादक □ ब्र.कु. कोमल
ब्रह्माकुमारीज, शिव आमंत्रण ऑफिस, शतिवन, आबू ईड, जिला- सिरोही, राजस्थान, पिन कोड- 307510
मो □ 8538970910, 9179018078
Email □ shivamantran@bkvv.org

For online transfer

A/C Name: Rajyoga Education & Research Foundation
A/C Number: 35401958118, IFSC Code: SBIN0010638
Bank & Branch: State Bank Of India, PBKIVV,
Shantivan, Abu Road, Rajasthan
Note: On transfer please email details to:
shivamantran.acct@bkvv.org, Helpline: 9471854331



Scan To Pay

आइकॉन ऑफ इंडिया अवॉर्ड प्रदान किया



शिव आमंत्रण, मुंबई के जीगर हॉटेल में आयोजित अवॉर्ड समारोह में सुप्रसिद्ध अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने भारत के प्राचीन राजयोग के प्रसार-प्रचार के लिए बाणेर ब्रह्माकुमारीज को आइकॉन ऑफ इंडिया अवॉर्ड से सम्मानित किया। अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने बाणेर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके डॉ. त्रिवेणी और बीके डॉ. दीपक हरके को आइकॉन ऑफ इंडिया अवॉर्ड प्रदान किया। इस दौरान बीके क्रिना दीदी भी उपस्थित रहीं।

तीन दिवसीय गहन योग अनुभूति भट्टी आयोजित



शिव आमंत्रण, बरेली, उप्रा तीन दिवसीय गहन योग अनुभूति भट्टी रिलेक्ट, रिचार्ज एवं रिजेनेट ब्रह्माकुमारीज के चौपुला रोड बरेली सेवाकेंद्र की बीके पार्वती दीदी की ओर से स्मार्ट सिटी हॉल में आयोजित की गई। इसमें इंदौर से राजयोगिनी पूनम दीदी ने तीन दिन अलग-अलग विषयों पर क्लास एवं योग अनुभूति कराई।

'जिंदगी एक सफर है सुहाना' कार्यशाला संपन्न



शिव आमंत्रण, मुलुंद, मुंबई ब्रह्माकुमारीज मुलुंद सबज़ोन द्वारा राजयोगिनी बीके डॉ. गोदावरी दीदी के मार्गदर्शन में भावनात्मक कल्याण पर जीवन परिवर्तनकारी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। साप्ताहिक एक परिवर्तनकारी कार्यशाला जिंदगी एक सफर है सुहाना का आयोजन किया। इस पहल का नेतृत्व प्रसिद्ध कैकल्टी सदस्य बीके कमल द्वारा किया गया, जिसका उद्देश्य भावनात्मक और मानसिक कल्याण को बढ़ावा देना था। इसका पांच सौ प्रतिभागियों ने लाभ उठाया।

नए भवन का किया भूमिपूजन



शिव आमंत्रण, गया, बिहार। एपी कॉलोनी गया में ब्रह्माकुमारीज के बनने वाले नए भवन का भूमि पूजन मारुंड आबू से पथराई राजयोगिनी बीके रुक्मणी दीदी, बीके सुनीता दीदी, बीके प्रतिभा दीदी, राजकुमार अग्रवाल, डॉ. शिरी प्रकाश, डॉ. संजय वर्मा और सुशीला डालमिया ने किया। इस दौरान सभी अतिथियों का पट्टा पहनाकर सम्मान किया गया।



मन को स्वच्छ बनाने में राजयोग का अहम योगदान



शिव आमृत्रण, कादमा (हरियाणा)

आध्यात्मिक सशक्तिकरण से ही हम स्वस्थ व स्वच्छ समाज का निर्माण कर सकते हैं। यह उदाग्र ब्रह्माकुमारीज की कादमा शाखा में स्वस्थ व स्वच्छ समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण विषय पर आयोजित कार्यक्रम में एसडीएस मनोज कुमार ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता आंतरिक रूप

से जागरूति पैदा करती है। इंसान को इंसानियत सिखाती है आध्यात्मिकता। मेडिटेशन मन की शांति की अचूक औषधि है। मुंबई से पथरों अंतर्राष्ट्रीय प्रख्यात प्रवक्ता प्रफेसर ईवी गिरीश ने कहा कि मेडिटेशन एक मेडिसिन का काम करती है जो हमें अंतरिक रूप से खुशी की खुशक देती है। स्वच्छ व स्वस्थ समाज के लिए स्वच्छ व स्वस्थ मन का होना बहुत जरूरी है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान में सिखाया

जाने वाला राजयोग मन को स्वच्छ बनाने में अपना अहम योगदान देता है। झोड़ूकलां-कादमा क्षेत्रिय प्रभारी बीके वसुधा बहन ने कहा कि राजयोग से खुद को आध्यात्मिक मूल्यों से परिपूर्ण मूल्यान्विष्ट समाज व स्वच्छ-सुखी समाज का निर्माण कर सकते हैं। माउंट आबू से पथरों समाज सेवा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके बीरेंद्र भाई ने प्रभाग द्वारा की जा रही सेवाओं के बारे में बताया।

शांति हमारा मूलभूत स्वभाव है: प्रो. ईवी गिरीश

शिव आमृत्रण, सिरसा, हरियाणा।

ब्रह्माकुमारीज सद्ग्रावना भवन में वाह जिंदगी वाह कार्यक्रम के अंतर्गत तीन दिवसीय राजयोग अनुभूति शिविर का आयोजन किया गया। इसमें मुंबई से पथरों प्रफेसर ईवी गिरीश ने कहा कि हमें अपनी विचारधारा, सोच को एवं दृष्टिकोण को चेंज करना है, पॉजिटिव करना है। पानी का मूलभूत धर्म शीतलता है पानी पीने से प्यास बुझती है और अगर इस पानी को गैस पर रखकर स्विच ऑन कर दिया जाए तो वह थोड़े समय में उबलने लगेगा। उस उबलते हुए पानी में अंगूष्ठी डालेंगे तो शीतलता की अनुभूति नहीं होगी, उल्टा हाथ जल जाएगा। गम पानी को आधा घंटा रखें तो वही पानी शीतल हो जाएगा। इसी प्रकार ओरिजिनल स्वभाव को लाने के लिए कुछ नहीं करना पड़ता। उन्होंने कहा हम गुस्सा



करते हैं यानी पानी को गर्म करते हैं। प्रॉब्लम है, मन में शांति नहीं हो तो शांति को ढूँढते हैं, मंदिर-मस्जिद में पूजा पाठ में, जप तप में लेकिन शांति तो हमारा मूलभूत स्वभाव है। आत्मा सॉफ्टवेयर है, आत्मा का मूलभूत ओरिजिनल नेचर सात क्वालिटी है।

सद्ग्रावना भवन की संचालिका बीके प्रीति बहन, द्रस्टी बीके सुभाष भाई, समाज सेवा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके बीरेंद्र भाई ने भी संबोधित किया। इस दौरान सामाजिक संस्थाओं ने प्रो. ईवी गिरीश भाई को सम्मानित किया।

आध्यात्मिक अनुभूति शिविर आयोजित

सकारात्मकता लाने के लिए अध्यात्म की पहचान कर ईश्वरीय महावाक्यों को जीवन में उतारना होगा

शिव आमृत्रण, श्रीनगर(उत्तराखण्ड)।

स्व चिंतन और आध्यात्मिक दिनचर्या अपनाने से मानव जीवन श्रेष्ठ बनेगा। बाहरी रूप से मानव जीवन जितना आसान और सुविधाजनक होता जा रहा है, अंदरूनी रूप से व्यक्ति विज्ञान की गुलामी में उतना ही उलझन भरा जीवन व्यतीत कर रहा है।

उक्त विचार प्रख्यात अंतर्राष्ट्रीय वक्ता प्रो. ईवी गिरीश ने श्रीनगर गढ़वाल उत्तराखण्ड सेवाकेंद्र में पांच दिवसीय तनाव मुक्ति एवं आध्यात्मिक अनुभूति शिविर में व्यक्त किए। शिविर में आमजन के साथ ही मेडिकल कॉलेज श्रीनगर के एम्बीबीएस छात्र-छात्राओं ने जिंदगी के हर पल को खुशनुमा बनाने के लिए कई टिप्पणियां की जीवन के लिए आध्यात्म की सच्ची पहचान करनी होगी और ईश्वरीय महावाक्यों को जीवन में उतारना होगा। ईश्वरीय महावाक्यों को जीवन में सकारात्मकता आयेगी।



विजेता मेजर दिव्यजय सिंह रावत, सामाजिक कार्यकर्ता भोपाल चौधरी मौजूद रहे। प्रो. ईवी गिरीश ने कहा कि मन में सकारात्मकता लाने के लिए आध्यात्म की सच्ची पहचान करनी होगी और ईश्वरीय महावाक्यों को जीवन में उतारना होगा। ईश्वरीय महावाक्यों को जीवन में सकारात्मकता आयेगी।

गढ़वाल क्षेत्र के निदेशक बीके महरचंद ने कहा कि आत्मा को सकारात्मक विचारों



नई राहें

बीके पुष्पेंद्र, संयुक्त संपादक
शिव आमृत्रण, शांतिवन

कैसी है मन की धारा?

मन के मते न चलिए, मन के मते अनेक।

जो मन पर असवार है, सो साधु कोई एक।

अनुवाद: मन के मत में न चलो, क्योंकि मन के अनेकों मत हैं। जो मन को सदैव अपने अधीन रखता है, वह साधु कोई विरला ही होता है।

शिव आमृत्रण, आबू रोड, राजस्थान। मन हमारी भावनाओं, विचारों और कार्यों का आधार है। सूचनाओं की बाद से मन की धारा अनवाही दिशा में बह रही है। हम बिना सोचे-समझे मन के सागर में व्यर्थ की गागर भरते जा रहे हैं। पल-पल आते नोटिफिकेशन पर अनवाही ही अंगुलियां यूं ही बढ़ जाती हैं, भले वह जानकारी उपयोगी है या नहीं, यह मायने नहीं रखता। नकारात्मक सूचनाओं से मन इतना लद गया है कि वह इनके बोझ से कराह रहा है, इनका भार ढोते-ढोते थक गया है, कमज़ोर हो गया है। परिणामस्वरूप आज तेजी से यादाशत की कमी और भूलने की बीमारी आम समस्या बन गई है।

यहां विचारणीय प्रश्न है कि हम शरीर के लिए व्रत तो रखते हैं, क्या मन का भी व्रत रखते हैं? रोज कुछ धंटे सूचनाओं के सागर से दूर रह पाते हैं? कुछ समय मन को आराम देने, रिलेक्स होने के लिए भी देते हैं? सपाह में एक दिन डिजिटल वर्ल्ड, सोशल मीडिया से दूर रह पाते हैं? मन के मौन के लिए भी कोई कार्ययोजना बनाई है? मन से जुड़े यह वह प्रश्न हैं जिन्हें जानना और समझना समय की मांग है। मन ही जीवन का वह केंद्र बिंदु है जहां से समस्याओं की रचना होती है। समस्याएं मन में बुनी गई वह रचना है जिनके रचनाकार हम खुद हैं। मन को साधने के प्रति जितने सजग, समझदार और सचेत रहेंगे, जीवन उतना ही आनंद और सुकून भरा होगा। दुनिया की तमाम समस्याओं की जड़ और उत्पत्ति का मूल कारण विकृत मानसिकता और अस्वस्थ मन है। यदि उसकी शक्ति को बढ़ाना है, धार देना है तो कुछ पल उसकी देखभाल के लिए देना होंगे। जब हम उसका ख्याल रखना सीख जाएंगे, एक सकारात्मक दिशा देने में सक्षम हो जाएंगे तो एक समय के बाद मन को उस दिशा में चलने की आदत बन जाती है। मन में आने वाले हर विचार का परीक्षण करें और उसके समुक्त पहलुओं को देखते हुए मूर्त्तरूप दें। इससे मन शक्तिशाली हो जाता है।



आत्मचिंतन, शांति और सुकून की ओर बढ़ते हैं...

मन के मौन का अर्थ है विचारों की अराजकता से मुक्त होकर मन को स्थिर और शांत बनाना। यह वह अवस्था है जब मन किसी बाहरी शोर या आंतरिक उथल-पुथल से प्रभावित नहीं होता। यह आत्म-जगरूकता और आत्म-संयम की एक स्थिति है। मन का मौन केवल शब्दों का मौन नहीं है, बल्कि भीतर की गहराइयों में झाँकने और खुद को जानने की प्रक्रिया है। इससे हम आत्मचिंतन, शांति और सुकून की ओर बढ़ते हैं। निर्णय लेने की क्षमता में सुधार आता है। मन की सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

मन को गाइड करके पा सकते हैं सकारात्मक परिणाम...

जो बातें या चीजें हमारे लिए नुकसानदायक हैं, हमें तकलीफ देती हैं उनसे दूर रहने के लिए मन को गाइड करना बेहद जरूरी है। उसे सुझाव दें कि कैसे हम उससे दूर रहकर सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। मन में जब भी नकारात्मक और हिंसक विचार उत्पन्न होता है तो अंतर्मन उस विचार के सामने एक सकारात्मक विचार भी देता है लेकिन जब हम विचारों के चुनाव में लापरवाह, गैरजिम्मेदार होते हैं तो नकारात्मक विचार स्वीकार कर लेता है। जब निरंतर एक तरह के विचार नकारात्मक या सकारात्मक विचारों की धारा मन में प्रवाहित रहती है तो मन को उस धारा के साथ चलने की आदत बन जाती है। कुछ समय बाद उसमें अंतर्मन रम जाता है। इस तरह उसी अनुसार हमारे व्यक्तित्व का निर्माण होता है।

ध्यान, राजयोग मेडिटेशन मन का भोजन है...

ध्यान, राजयोग मेडिटेशन मन का भोजन है। इसमें यदि मौन को समाहित कर लिया जाए तो सोने पर सुहागा। मन को जब आत्म स्वरूप में स्थित कर परमात्म स्वरूप पर केंद्रित करते हैं तो अंतर्मन की शक्तियां पुनः जागृत होने लगती हैं। बिना ध्यान के मन का स्वास्थ्य और संतुलन संभव नहीं है। ध्यान और मन एक-दूसरे के पूरक हैं। मन का मौन आत्मिक विकास का एक महत्वपूर्ण साधन और टूल है। ज्ञानी पुरुष मन के मौन को प्राथमिकता देते हैं। एकांत में जब एक विचार को लेकर मौन के सागर में गोता लगाते हैं तो अंतर्मन की गुफा से नए-नए विचारों का उद्भव होता है। मन को शक्तिशाली बनाने के लिए ध्यान, मां प्रकृति का सात्रिंघ्य, सदसाहित्य या धर्मगुण्य का नियमित अध्ययन, एकांत में मनन-वित्तन वह औजार हैं जो मन की सोई शक्तियों को पुनः जागृत कर शक्तिशाली मन का निर्माण करने की दिशा में सबसे कारगर हैं। इसके लिए हमें सूचनाओं को सीमित करना होगा और जरूरी सूचनाओं को ही ग्रहण करने की गाइडलाइन बनाना होगी। जैसे ही मन में नवीन या रचनात्मक विचार आए तो उसे डायरी में नोट करना न भूलें। इन उपायों से निश्चितताएँ पर मन हमारे नियंत्रण में आ जाता है और हम उसके मालिक बन उसे आदेश देने के काबिल हो जाते हैं।



जीवन प्रबंधन



बीके शिवानी दीदी

जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर और ब्रह्माकुमारीज की टीवी ऑडियोन, गुरुग्राम, हरियाणा

एक-दूसरे का सम्मान कर स्वीकार करना ही अनेक समस्याओं का समाधान

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

खुद की तरह दूसरों में परिवर्तन की आश लेकर प्रयत्न करते रहना, ये एक अंत न होने वाला खेल है, जो खुद की आत्मा की शक्ति को दुर्बल करने का आसान तरीका है।

मान लिया कि घर में दो लोग हैं, एक का संस्कार बहुत साफ-सफाई रखने का है, दूसरे का संस्कार जहां-तहां गंदी फैलाने का। अब सफाई वाला जो है, वो चाहता है कि दूसरे को भी सफाई वाला बना दें। उस बात पर रोज़ घर में बहस होती है। दूसरा ऑप्शन यही है कि अपना भी सफाई वाला संस्कार छोड़ दो! हम भी उनके जैसे हो जाएं, तो क्यों नहीं हो सकते? दो लोग हैं। एक का संस्कार है सच बोलने का, दूसरे का संस्कार झूठ बोलने का। पहला उसको रोज़ बदलने की कोशिश करता है कि वो सच बालौं। लेकिन पहला भी वैसा झूठ बन जाएं क्या फर्क पड़ता है? क्यों नहीं बन सकते? शांति तो चाहिए न घर में? दोनों में से किसी भी ऑप्शन में बदल जाएं तो शांति हो ही जाएगी। क्यों न हम बदल जाएं उनकी ही तरह? हमें तो बड़े प्यार से लगता है कि वो गलत हैं! क्या उनके लगता है कि वो गलत हैं? उनको क्या लगता है? हम सही हैं। हमारे सही की परिभाषा अलग और उनकी अलग। क्या ऐसा होता है? हमें जो चीजें खाने में पसंद हैं वो किसी और की पसंद अलग हो सकती है? हमें जो पहनना पसंद है, वो दूसरों का पहनना अलग हो सकता है? इसी तरह हमें जो सोचना पसंद है वो दूसरों का सोचना अलग हो सकता है? हमें जैसा व्यवहार पसंद है, वो दूसरे को अलग पसंद हो सकता है? दोनों में से सही कौन है? दोनों तो क्या हमें किसी के लिए भी कोई हक है जो दूसरों के लिए कहें कि वो गलत हैं? अब ये बदल जाएं और मेरे जैसे बन जाएं। अपने हिसाब से दूसरों को बदलने का 'ये एक अंत न होने वाला खेल है' जो कि आत्मा की बैटरी को डिस्चार्ज करने का आसान तरीका है। क्योंकि कोई भी असंभव काम करो तो तकत क्या होती जाएगी? गाड़ी को हैंड ब्रेक लगा दो और एकसीलेटर साथ-साथ दबाते रहो तो गाड़ी क्या होती रहेगी? वो आगे नहीं बढ़ सकती। लेकिन दबाते जा रहे हैं तो हम संभव काम कर रहे हैं।

पहले खुद को बदलने की जिम्मेदारी लें

दूसरों को कंट्रोल करके चेंज करने की कोशिश करना, ये असंभव है। दूसरे को प्रेरणा देना, दूसरे को राय देना, और दूसरे को चेंज करना, सभी में

बहुत अंतर है। एनर्जी में ही फर्क हो जाता है। दूसरे को राय देना, दूसरे को प्रेरित करना और दूसरे को चेंज करना। क्योंकि दूसरे को चेंज करने में पहले ये विचार क्रियेट करने पड़ते हैं कि दूसरा गलत है। जैसे ही मैंने ये विचार क्रियेट किया कि ये गलत है तो सामने वाला हमारे से निर्णिटिव होकर दूर होता जाएगा। इसलिए पहले खुद को बदलने की जिम्मेदारी लें। अगर हम पुराने तौर-तरीके से कड़े संस्कार के वशीभूत सोचते रहे, बोलते रहे, करते रहे, तो फिर खुशी, सेहत और सुंदर रिश्ता संभव नहीं हो सकता। आज ऐसा कोई घर दिखाई नहीं देता है जहां खुशियां, सेहत और सुंदर रिश्ते सब कुछ सही हों। ये कलयुग की पहचान है। यह स्थिति दिन प्रतिदिन और बढ़ती चली जाएगी।

एक दूसरे का सम्मान कर स्वीकार करना

ही अनेक समस्याओं का महामंत्र है

अगर किसी के लिए नकारात्मकता के साथ एक विचार क्रियेट करते हैं कि ये गलत है, तो कौन-सी वार्षिकी उसे जाएगी? वह स्वतः ही हमारे से नकारात्मक होने लग जाएगा और मुझे भी गलत समझना शुरू कर देगा। यह अपने संबंधों में खटास और दूरी लाने का सबसे आसान तरीका है। जिससे दूर होना या दूर करना है उसे बस अनादर करते जाओ। उसी तरह किसी को अपने नजदीक लाकर उसे बदलने का सबसे आसान तरीका, उसे आदर करते जाओ, स्वीकार करते जाओ वो आपके हो जाएं। किसी को प्रभावित करने के लिए वो हमारे आभा मंडल एनर्जी के जितने नजदीक होंगे प्रभाव उनता ज्यादा पड़ेगा। इसलिए हम किसी को रजेक्ट कर, दूर कर, अपमान कर सकारात्मक बदलाव नहीं ला सकते हैं।

आत्मा रूपी सीडी में रिकॉर्डिंग होते हैं अलग-अलग संस्कार

हरेक अविनाशी आत्मा का अपना पार्ट पक्का है। आत्मा के शरीर रूपी वस्त्र की उम्र चाहे जो भी हो, शरीर के कपड़े की तरह ही उस अस्तिक शरीर रूपी वस्त्र की आयु है। आत्मा जो शरीर पहनी है, माना कि वो 61 साल पुराना है और जो शर्ट पहना है वो दो साल पुरानी है। तो आत्मा की उम्र कितनी है? यह मालूम नहीं, क्योंकि आत्मा तो हमेशा से शाश्वत, सनातन और अविनाशी है। आत्मा तो हमेशा थी हमेशा है और हमेशा रहेगी। 61 साल से मैं आत्मा इस शरीर में हूं। एक पार्टीकुलर देश में, एक पार्टीकुलर शहर में, एक पार्टीकुलर मोहल्ले में, पार्टीकुलर माता-पिता और पार्टीकुलर परिस्थितियों में सब 61 साल का अनुभव था। हमारा सारा कर्म यहां आत्मा में रिकॉर्ड हो गया। मानलिया कि यहां दो लोग 61 साल के शरीर में बैठें हैं। क्या उन दो आत्माओं पर इन 61 साल के अंदर रिकॉर्डिंग बराबर हुई होगी? मान लिया दोनों दिल्ली में ही थे। एक ही मोहल्ले में थे। असल में एक ही घर में दोनों भाई थे। निश्चत रूप से दोनों आत्माओं में रिकॉर्डिंग बराबर नहीं हुई होगी।

आइए अब दोनों के आत्मा रूपी सीडी को देखते हैं। उनकी जीवन यात्रा को देखते हैं ये आत्मा 61 साल पहले कहां थी? एक और शरीर में, उस शरीर में 70-80-100 साल रही होगी। उस सौ साल में जो उसकी रिकॉर्डिंग हुई और जो दूसरी आत्मा की रिकॉर्डिंग थी वहां सीडी को देखते हैं। अब हरेक को देखो मेरी इतनी सारी रिकॉर्डिंग और इनकी, उनकी भी हजार साल की रिकॉर्डिंग दूसरे तीसरे चौथे तो वो गलत है? नहीं एकदम अलग, फिर भी हमने कहा मेरे जैसे बन जाओ, क्या यह संभव है? लेकिन वो वैसा ही व्यवहार करेंगे, जैसी उनकी जन्म-जन्म की रिकॉर्डिंग है।

जैसा कि दो सीडी हैं, दोनों पर गाने अलग-अलग हैं। एक भी गाना बराबर नहीं। सारे गाने अलग और एक सीडी दूसरे को देख कर कहती है, तेरे ऊपर भारा वाला गान क्यों नहीं? एक दूसरी सीडी को कहती है इसके गाने तो बिल्कुल गलत है फिर दूसरी वाली सीडी इसको देखकर कहती है नहीं तुहरे वाले गलत हैं। और ये दोनों सीडी रूपी आत्मा जीवन भर दुखी रह कर एक-दूसरे को गलत करते रहते हैं। तुम गलत तो तुम गलत होता रहता है। अब इन दोनों सीडी को अपने जीवन के अंदर चेंज लाना है। मैं आत्मा सीडी जिसमें हजार, दो हजार, तीन हजार, पांच हजार साल की रिकॉर्डिंग है। हमने कहा ये जो मेरे पति हैं, इनको ऐसे होने चाहिए। जैसा एक अच्छा पति को होना चाहिए। अच्छा पति भी कैसा होना चाहिए? जैसा मुझे अच्छा कौन-सा अच्छा लगेगा? ये मेरी रिकॉर्डिंग है। जिनको हम समझते थे मेरा पति, मेरा बच्चा, मेरा भाई परमात्मा ने कहा वो आत्मा है। वो भी एक लंबी यात्रा करने वाली, अलग जन्म, अलग संस्कार वाली आत्मा है। तो अब वही मेरे पति, मेरे बच्चे को हमें उनकी जो वास्तविक स्वरूप आत्मा देखना होगा।

लाइफस्टाइल अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा



शिव आमंत्रण, डिलास, टेक्सास। यूनाइटेड नेशन्स एपोलोगिकल अॅफ यूएसए (यूएन-यूएसए) डिलास द्वारा प्रतिष्ठित एलेनोर रूजवेल्ट लाइफस्टाइल अचीवमेंट अवार्ड से बीके सिप्टर एंजल को सम्मानित किया गया है। यह सम्मान संयुक्त राष्ट्र संतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में उनके उत्कृष्ट योगदान पर प्रदान किया गया।

मिलपिटास में दीपोत्सव मनाया



शिव आमंत्रण, मिलपिटास, यूएसए। ब्रह्माकुमारीज सिलिकॉन वैली द्वारा दिवाली मिलान समारोह धूमधार से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बीके मिलपिटास सेंटर के बाह्य द्वारा दिवाली नृत्य के साथ हुई। जिसके बाद रावण अभी भी जीवित है आकर्षक नाटक का प्रदर्शन किया गया। जिसमें रावण की असली पहचान और राजदीव का माध्यम से उस पर विजय पाने के तरीके को दर्शाया गया। बीके कुमुख दीदी ने दशहरा और दिवाली के महत्व को बताया। कार्यक्रम में खाड़ी धैत्र के कई गणगान्य व्याप्ति उपस्थित थी।

श्रीराम-सीता का राज्याभिषेक किया



शिव आमंत्रण, नोवाटो, यूएसए। रावण गुरुत पहने सैकड़ों लोग हाथों ने प्रकाश थाने अनुग्रही मेडिटेशन एंट ट्रिटी सेंटर के माहौल को जगमगा रहा था। प्रकाश के त्याहार दिवाली पर प्रतिभागियों ने न केवल सजी हुई रोशनी देखी, बल्कि आंतरिक प्रकाश को अपने साथ लेकर घलने की सुरक्षा का भी अनुभव किया। मुख्य आकर्षण श्रीराम-सीता का राज्याभिषेक था, जो बुराई के समाने अच्छाई की जीत और प्रकाश के पतीक है। इस दैरान सभी ने मेडिटेशन कर आंतरिक खुशी और शांति की अनुभूति की।

मलावी में राष्ट्रपति से मिलीं बहनें



शिव आमंत्रण, लिलोवे, मलावी। ब्रह्माकुमारीज को मलावी में भारतीय उच्चायोग द्वारा भारत की राष्ट्रपति द्वारा गुरुभीष्मी के सम्मान में आयोजित सामूहिक स्थागत समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया। नैरोबी से बीके वेदाती दीदी और बीके दीपि दीदी इस कार्यक्रम में शामिल हुई। यह मलावी में भारत के राष्ट्रपति की पहली यात्रा थी। इस दैरान उच्चों राष्ट्रपति से गुलाकात कर ब्रह्माकुमारीज द्वारा की जा रही सेवाओं के बारे में बताया।